www.bharatsamvad.live

R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

सोशल मीडिया पर भारत संवाद
https://x.com/BharatSamvad
www.facebook.com/bharatsamvad.in
www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n
E-Paper bharatsamvad.live

मौसम
अधिकतम तापमान 31.c
28.c न्यूनतम तापमान

बाजार
सोना 98.935g
चांदी 100,000kg

2 देशहित से ही बचेगी पत्रकारिता की साख

एजेंसी दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी 04

वर्ष :08 | अंक :338 | मुंबई , शुक्रवार 30 मई 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक में इंजीनियरिंग छात्र ने आत्महत्या की, सुसाइड नोट में शैक्षणिक दबाव का किया जिक्र

कर्नाटक के कोडागु जिले के एक इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रथम वर्ष की छात्रा ने बुधवार को अपने छात्रावास के कमरे में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। छात्रा की पहचान तेजस्विनी के रूप में हुई है, जो 19 साल की थी और पोन्नमपेट के हल्लिगट्टू कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग कोर्स में नामांकित थी। उसके कमरे से एक नोट बरामद किया गया, जिसमें उसने कथित तौर पर कहा था कि वह शैक्षणिक दबाव के कारण अपनी जान ले रही है। उसने छह बैकलॉग होने का जिक्र किया और अपनी पढ़ाई जारी रखने की अनिच्छा जताई। तेजस्विनी पूर्वोत्तर कर्नाटक के रायचूर निवासी महंतप्पा की इकलौती बेटी थी। सूत्रों के मुताबिक, उसने तीन दिन पहले दोस्तों के साथ अपना 19वां जन्मदिन मनाया था। बुधवार को, उसने कथित तौर पर उन लोगों को एक बार फिर मिठाई बांटी, जो पहले के जश्न में शामिल नहीं हो पाए थे। वह अपनी कक्षाओं में भाग लेने के बाद शाम करीब 4 बजे अपने छात्रावास के कमरे में लौटी।

मसूरी में कार खाई में गिरने से उसमें सवार दो लोगों की मौत, एक घायल

उत्तराखंड के मसूरी में कोल्हूखेत के पास गलोगी में एक कार के गहरी खाई में गिर जाने से उसमें सवार दो व्यक्तियों की मृत्यु हो गयी तथा एक अन्य घायल हो गया। राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) से मिली जानकारी के अनुसार, दुर्घटना कोल्हूखेत से लगभग दो किलोमीटर आगे बुधवार मध्यरात्रि के बाद हुई जब कार अचानक अनियंत्रित होकर 300 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। दुर्घटना की सूचना मिलने पर पुलिस और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंची तथा अंधेरे में ही खाई में उतरकर बचाव एवं राहत कार्य चलाया। हादसे में दो व्यक्तियों की मौके पर ही मौत हो गयी जिनकी पहचान सौरभ त्रिखा और कार्तिक त्रिखा के रूप में हुई है। हादसे में मेजर अंशुमन त्रिखा घायल हुए हैं। हादसे का शिकार हुए सभी लोग देहरादून के सेवक आश्रम रोड के निवासी हैं और आपस में रिश्तेदार हैं।

बंगाल में मची चीख-पुकार, नहीं चाहिए निर्मम सरकार :पीएम मोदी

मुर्शिदाबाद दंगों को लेकर ममता बनर्जी पर पीएम मोदी का वार

तीखा हमला

मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि मुर्शिदाबाद में जो कुछ हुआ... मालदा में जो कुछ हुआ... वो यहां की टीएमसी सरकार की निर्ममता का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि बंगाल की जनता को अब टीएमसी सरकार के सिस्टम पर भरोसा नहीं है

एजेंसी

बंगाल , मुर्शिदाबाद दंगों पर अपनी पहली सार्वजनिक टिप्पणी में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ममता बनर्जी की को निर्मम बताते हुए तीखा हमला किया और कहा कि तृणमूल कांग्रेस के पार्षद लोगों के घरों को जलाने के लिए चिन्हित करने में शामिल थे। उनकी यह टिप्पणी वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ 11 और 12 अप्रैल को मुर्शिदाबाद के समसेरगंज और धुलियान इलाकों में भड़की सांप्रदायिक हिंसा के हफ्तों बाद आई है। दंगों में तीन लोगों की मौत हो गई जबकि कई अन्य घायल हो गए।

मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि मुर्शिदाबाद में जो कुछ हुआ... मालदा में जो कुछ हुआ... वो यहां की टीएमसी सरकार की निर्ममता का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि बंगाल की जनता को अब टीएमसी सरकार के सिस्टम पर भरोसा नहीं है। यहां की जनता के पास अब सिर्फ कोर्ट का ही आसरा है। इसलिए पूरा बंगाल कह रहा है - बंगाल में मची चीख-पुकार, नहीं चाहिए निर्मम सरकार! उन्होंने कहा कि तुष्टिकरण के नाम पर गुंडागर्दी की खुली छूट दी गई। कल्पना कीजिए कि जब सरकार चलाने वाली पार्टी के लोग लोगों के घरों को पहचान कर जला दें और पुलिस मूकदर्शक बनी रहे, तो क्या भयावह स्थिति होगी। टीएमसी के घोटालेबाजों ने सैकड़ों गरीब परिवार के बेटे-बेटियों को अंधकार में धकेल दिया है। मोदी ने कहा कि आज देशभर में 70 वर्ष से ऊपर के बुजुर्गों को 5 लाख रुपए तक मुफ्त इलाज की सुविधा मिल रही है। मैं तो चाहता हूं कि पश्चिम बंगाल में भी 70 वर्ष से ऊपर के सभी बुजुर्गों को मुफ्त इलाज की सुविधा मिले। लेकिन टीएमसी सरकार ये नहीं करने दे रही है।वहीं, मोदी ने आगे कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकियों ने जो बर्बरता की, उसके बाद पश्चिम बंगाल में भी बहुत गुस्सा था।

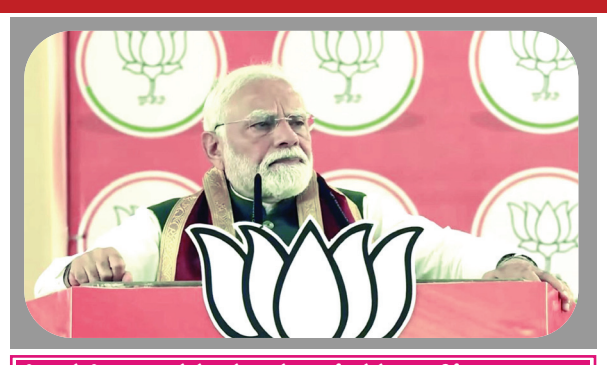

> प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं बंगाल के गरीब लोगों से पूछता हूं कि क्या सरकार ऐसे चलती है? यहां हर मुद्दे पर कोर्ट को दखल देना पड़ता है। नहीं तो कोई हल नहीं निकलता। बंगाल के लोगों को अब टीएमसी सरकार पर भरोसा नहीं रहा। उन्होंने कहा कि टीएमसी सरकार ने अपने शासनकाल में हजारों टीचर्स का फ्यूचर बर्बाद कर दिया है।

पीएम मोदी का पटना में मेगा रोड-शो, हवाई अड्डे के नए टर्मिनल का उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार के पटना में मेगा रोड शो के लिए पहुंचे हैं। जहां उन्होंने बड़ी सौगात दी हैं। पीएम ने पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का उद्घाटन किया हैं। यह टर्मिनल 1200 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित किया गया है। पीएम मोदी उद्घाटन के बाद बीजेपी दफ्तर तक के लिए रोडशो कर रहे है जिसके लिए खास तरह की तैयारियां की गई थी। सुरक्षा के कड़े इंतजाम के बीच विशेष थीम वाला स्टेज बनाया गया है। जिसमें ओपरेशन सिंदूर और ब्रम्होस मिसाइल की झलक दिखाई गई है। शहर के बाहरी इलाके में स्थित बिहटा हवाई अड्डे पर एक नए असैन्य परिसर की आधारशिला रखी। पटना स्थित जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नया यात्री टर्मिनल भवन 1,200 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है, जबकि बिहटा स्थित वायुसेना के हवाई अड्डे पर असैन्य परिसर (सिविल एन्क्लेव) का विकास 1,410 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने पटना हवाई अड्डे पर आयोजित एक समारोह में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा सहित अन्य की उपस्थिति में इन परियोजनाओं का अनावरण किया।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

पुंछ गोलाबारी पीड़ितों के लिए तत्काल राहत पैकेज देने का किया आग्रह

> पिछले शनिवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ का दौरा किया और प्रभावित लोगों के साथ समय बिताया, जिनमें वे परिवार भी शामिल थे जिन्होंने 7 मई से 10 मई के बीच सीमा पार से हुए हमलों में अपने सदस्यों को खो दिया था।

एजेंसी

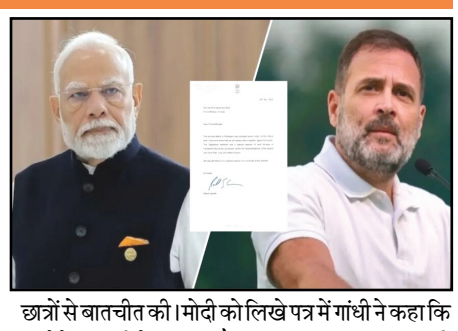

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर मांग की कि सरकार को पाकिस्तानी गोलाबारी से प्रभावित पुंछ और अन्य क्षेत्रों के लिए ठोस, उदार और तत्काल राहत एवं पुनर्वास पैकेज उपलब्ध कराना चाहिए। पिछले शनिवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ का दौरा किया और प्रभावित लोगों के साथ समय बिताया, जिनमें वे परिवार भी शामिल थे जिन्होंने 7 मई से 10 मई के बीच सीमा पार से हुए हमलों में अपने सदस्यों को खो दिया था।गांधी ने गोलाबारी से प्रभावित गुरुद्वारा सिंह सभा, मंदिर गीता भवन और मदरसा जिया-उल-उलूम का भी दौरा किया और क्राइस्ट हाई स्कूल में छात्रों से बातचीत की। मोदी को लिखे पत्र में गांधी ने कहा कि उन्होंने हाल ही में पुंछ का दौरा किया था, जहां पाकिस्तानी गोलाबारी में 4 बच्चों सहित 14 लोगों की दुखद मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हो गए। उन्होंने लिखा कि इस अचानक और अंधाधुंध हमले से नागरिक क्षेत्रों में भारी तबाही मची है। सैकड़ों घर, दुकानें, स्कूल और धार्मिक स्थल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। कई पीड़ितों ने कहा कि उनकी सालों की मेहनत एक झटके में नष्ट हो गई है। उन्होंने कहा कि पुंछ और अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों के लोग दशकों से शांति और सद्भाव से रह रहे हैं।

अपनी जिम्मेदारी निभा रही हैं देश की बेटियां

सशस्त्र बलों में महिलाओं की भूमिका पर बोले राजनाथ सिंह

> आईएनएससी तारिणी आज सुबह गोवा के तट पर पहुंची, जिसने अपना अभियान पूरा किया, जिसे 2 अक्टूबर, 2024 को गोवा के नेवल ओशन सेलिंग नोड से रवाना किया गया था। रक्षा मंत्री ने नौसेना अधिकारियों की बहादुरी की सराहना करते हुए कहा कि समुद्र का सामना करते हुए 45 हजार किलोमीटर की यात्रा करना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है।

एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को भारतीय नौसेना के नौकायन पोत (आईएनएसवी) तारिणी के ध्वज समारोह में भाग लेने के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों में महिलाओं की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा ए, आपका स्वागत है। मैं आप दोनों को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई देता हूँ। आपने जो करिश्माई काम किया, वह आपकी उपलब्धि तो है ही, लेकिन वह एक राष्ट्र के रूप में हमारी उपलब्धि भी है। आईएनएससी तारिणी आज सुबह गोवा के तट पर पहुंची, जिसने अपना अभियान पूरा किया, जिसे 2 अक्टूबर, 2024 को गोवा के नेवल ओशन सेलिंग नोड से रवाना किया गया था। रक्षा मंत्री ने नौसेना अधिकारियों की बहादुरी की सराहना करते हुए कहा कि समुद्र का सामना करते हुए 45 हजार किलोमीटर की यात्रा करना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। रक्षा मंत्री ने अपने भाषण के दौरान कहा, लगभग 25 हजार समुद्री मील, यानी 8 महीनों में लगभग 45 हजार किलोमीटर की यात्रा की गई, वह भी समुद्र के बीच में रहते हुए, यह अपने आप में बहादुरी का एक बड़ा कारनामा है।सिंह ने कहा, आपने जो अकेलापन देखा होगा, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। यहां लोग एक-दूसरे के साथ रहते हैं और अकेलापन महसूस करते हैं, और आप लोग (आईएनएसवी तारिणी के चालक दल) एकाकी समुद्र का सामना कर रहे हैं, जहां कोई इंसान को भूल जाता है और कोई जानवर भी नहीं देख सकता। उस स्थिति में, आपने 8 महीने बिताए हैं। मैं समझता हूं कि आपको कई समस्याओं का सामना करना पड़ा होगा। उन्होंने सशस्त्र बलों में महिलाओं के योगदान पर प्रकाश डाला।

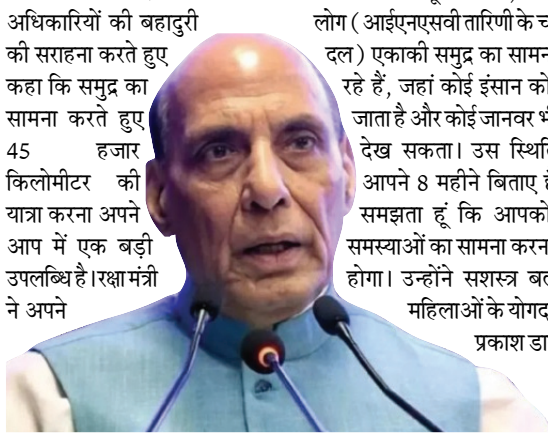

कल चुनाव में उतरें, हम तैयार हैं

पीएम मोदी पर ममता बनर्जी का पलटवार

एजेंसी

> ममता बनर्जी ने कहा कि मोदी जी ने आज जो कहा, उसे सुनकर हम न केवल स्तब्ध हैं, बल्कि बहुत दुखी भी हैं, जब विपक्ष देश का प्रतिनिधित्व कर रहा है। उनकी मौजूदगी में उनके मंत्री ने कहा कि वे ऑपरेशन सिंदूर की तरह ऑपरेशन बंगाल भी करेंगे।

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए मुर्शिदाबाद और मालदा में हुई हिंसा को उनकी सरकार की क्रूरता और उदासीनता का प्रतीक बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने हमले के लिए निर्ममता शब्द का इस्तेमाल किया और टीएमसी पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने में विफल रहने और नागरिकों की दुर्दशा को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। हालांकि, अब मोदी के बयान पर ममता बनर्जी ने पलटवार किया है। ममता बनर्जी ने कहा कि मोदी जी ने आज जो कहा, उसे सुनकर हम न केवल स्तब्ध हैं, बल्कि बहुत दुखी भी हैं, जब विपक्ष देश का प्रतिनिधित्व कर रहा है। उनकी मौजूदगी में उनके मंत्री ने कहा कि वे ऑपरेशन सिंदूर की तरह ऑपरेशन बंगाल भी करेंगे। मैं उन्हें चुनौती देती हूँ - अगर हिम्मत है, तो कल चुनाव में उतरें, हम तैयार हैं और बंगाल आपकी चुनौती स्वीकार करने के लिए तैयार है। लेकिन कृपया याद रखें, समय एक कारक है। आपको समय याद रखना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे प्रतिनिधि अभिषेक बनर्जी भी टीम में हैं। और वो हर दिन आतंकवाद के खिलाफ, आतंक के खिलाफ बोल रहे हैं। उस समय, मोदी, प्रधानमंत्री के रूप में नहीं बल्कि भाजपा अध्यक्ष के रूप में, आप (बांगाला में) सरकार के आलोचना कर रहे हैं जो आपको पूरा समर्थन दे

सुप्रीम कोर्ट को मिले तीन नए न्यायाधीश

कॉलेजियम की सिफारिशों पर राष्ट्रपति की मुहर

केंद्र सरकार ने न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया, न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई और न्यायमूर्ति अतुल एस चंदुरकर को सर्वोच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त करने की स्वीकृति दी है.

एजेंसी

नई दिल्ली: भारत के सर्वोच्च न्यायालय में तीन नए न्यायाधीशों की नियुक्ति हुई है, जिससे न्यायपालिका की शक्ति बढ़ेगी. केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने हाल ही में घोषणा की कि सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय के कॉलेजियम की सिफारिश के आधार पर तीन उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों और न्यायाधीशों को सर्वोच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया है. ये नियुक्तियां न्यायमूर्ति एनवी अंजारीया, न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई, और न्यायमूर्ति एएस चंदुरकर की हैं.

रेखा सरकार के 100 दिन पर आप ने पेश किया रिपोर्ट कार्ड

आतिशी बोलीं- बीजेपी को जनता ने दिए 0 नंबर

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार अपने 100 दिन पूरा करने जा रही है। इसको लेकर बीजेपी ने अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाने का प्लान तैयार कर रही है। वहीं आम आदमी पार्टी (आप) बीजेपी सरकार को घेर रही है। आप ने भाजपा की दिल्ली सरकार के असफलता से भरे 100 दिनों का रिपोर्ट कार्ड जारी किए है। दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता और आप नेता आतिशी ने कहा कि भाजपा ने दिल्ली के लोगों का जीवन नरक बना दिया है। सुधार करना या अपने वादे पूरे करना तो दूर की बात है, भाजपा ने अपने कार्यकाल के 100 दिनों में दिल्ली में पिछले 10 सालों से चल रही नीतियों को भी रद्द कर दिया। आतीशी ने कहा कि आज आप भाजपा की सरकार के पहले 100 दिनों की विफलता का रिपोर्ट कार्ड जारी कर रही है। दिल्ली में भाजपा सरकार हर पहलू में विफल है। हम इस रिपोर्ट कार्ड को दिल्ली के हर घर तक ले जाएंगे। दिल्ली के लोगों को आज लग रहा है कि उन्होंने भाजपा को वोट देकर गलती की। उन्होंने आरोप लगाया कि बिजली व्यवस्था का ठप्प और बिजली महंगी हो गई है।

> आतीशी ने कहा कि आज आप भाजपा की सरकार के पहले 100 दिनों की विफलता का रिपोर्ट कार्ड जारी कर रही है। दिल्ली में भाजपा सरकार हर पहलू में विफल है। हम इस रिपोर्ट कार्ड को दिल्ली के हर घर तक ले जाएंगे। दिल्ली के लोगों को आज लग रहा है कि उन्होंने भाजपा को वोट देकर गलती की।

केरल में मूसलाधार बारिश से व्यापक नुकसान, आईएमडी ने आठ जिलों में जारी किया रेड अलर्ट

भारी बारिश के लिए रेड अलर्ट जारी होने के बाद, एहतियात के तौर पर कोट्टायम, कन्नूर और कासरगोड में सभी शैक्षणिक संस्थानों में शुक्रवार को छुट्टी घोषित कर दी गई है। इन तीनों जिलों में व्यावसायिक कॉलेज, केंद्रीय विद्यालय, ट्यूशन सेंटर, विशेष कक्षाएं और आंगनवाड़ी सहित शैक्षणिक संस्थान बंद रहेंगे। जिला कलेक्टरों ने कहा कि पहले से तय परीक्षाएं तय समय पर ही आयोजित की जाएंगी। इस बीच, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय ने घोषणा की कि 30 मई को होने वाली सभी परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं।

पलटवार | जयराम रमेश का विवादित बयान, भाजपा ने किया पलटवार

हमारे सांसद घूम रहे हैं, आतंकवादी भी...

एजेंसी

> कांग्रेस नेता की टिप्पणी के बाद, भाजपा ने बिना समय गंवाए तीखी आलोचना करते हुए कहा कि जयराम रमेश ने सबसे घृणित तुलना की है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि पहलगाम आतंकी हमले के पीछे के आतंकवादी चार अन्य हमलों में शामिल थे और आज खुलेआम घूम रहे हैं।

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने गुरुवार को पहलगाम हमले के पीछे के आतंकवादियों और वैश्विक मंच पर भारत के आतंकवाद विरोधी संदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल सांसदों के बीच तुलना करके विवाद खड़ा कर दिया। कांग्रेस नेता की टिप्पणी के बाद, भाजपा ने बिना समय गंवाए तीखी आलोचना करते हुए कहा कि जयराम रमेश ने सबसे घृणित तुलना की है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि पहलगाम आतंकी हमले के पीछे के आतंकवादी चार अन्य हमलों में शामिल थे और आज खुलेआम घूम रहे हैं। इसके बाद उन्होंने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के लिए चुने गए सांसदों की तुलना आतंकवादियों से करते हुए कहा कि हमारे सांसद और आतंकवादी दोनों ही खुलेआम घूम रहे हैं। जयराम रमेश ने एएनआई से कहा कि सुनने में आ रहा है कि 25 और 26 जून को विशेष सत्र बुलाया जा सकता है क्योंकि यह आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ है। हमारे देश में 2014 से अघोषित आपातकाल लागू है। वह 50 साल पहले जो हुआ उसके लिए विशेष सत्र बुलाना चाहते हैं? आज के सवालों से ध्यान हटाने के लिए वे इस बारे में बात कर रहे हैं। हम आरएसएस की भूमिका को भी उजागर करेंगे, हम हकीकत को पूरे देश के सामने रखेंगे। उन्होंने कहा कि पहलगाम के ये आतंकवादी चार हमलों में शामिल थे और फिर भी वे इधर-उधर घूम रहे हैं। हमारे सांसद घूम रहे हैं और आतंकवादी भी घूम रहे हैं। हम ये सवाल गंभीरता से पूछ रहे हैं। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि वे इन सवालों का जवाब नहीं देते हैं। भाजपा केवल कांग्रेस पार्टी को निशाना बनाती है। उनका हमला कांग्रेस पार्टी पर है, आतंकवादियों पर होना चाहिए। पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। आतंकवादियों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। हर दिन जो मिसाइलें दागी जा रही हैं, वे कांग्रेस पार्टी के खिलाफ दागी जा रही हैं। आतंकवादियों और विभिन्न राजनीतिक दलों के सांसदों के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल के बीच घृणित तुलना करने के लिए कांग्रेस पर हमला करते हुए, भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, इस तरह से कांग्रेस न केवल हमारे सैन्य हमले (ऑपरेशन सिंदूर) को चुट पुट कहकर बल्कि हमारे कूटनीतिक हमले को भी कमतर आंक रही है। उन्होंने आगे सवाल किया, क्या संसद को उन पर कार्रवाई नहीं करनी चाहिए? भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि यह सबसे शर्मनाक, निंदनीय और बेबुनियाद बयान है।

बेंगलुरु में जल के प्राकृतिक प्रवाह में बाधक बन रही थी कई इमारतें, शिवकुमार ने गिराने का आदेश दिया

> समस्या यहीं से शुरू हुई और तब से दूसरे इलाकों में फैल गई है। उन्होंने कहा कि पानी के प्राकृतिक प्रवाह में बाधा डालने वाले व्यक्तियों ने अदालत से स्थगन आदेश प्राप्त कर लिया है, और यहां तक कि नगर निगम के अधिकारी भी इन क्षेत्रों में बाढ़ को कम करने में सहयोग नहीं कर रहे हैं।

एजेंसी

नयी दिल्ली। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने बेंगलुरू के नगर निगम अधिकारियों को वर्षा जल के प्राकृतिक प्रवाह में बाधा डालने वाली और बाढ़ में योगदान देने वाली इमारतों को ध्वस्त करने का आदेश दिया है। बेंगलुरू विकास विभाग के प्रभारी शिवकुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री और मैं पहले ही बारिश से प्रभावित इलाकों का दौरा कर चुके हैं। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण जंक्शन है। समस्या यहीं से शुरू हुई और तब से दूसरे इलाकों में फैल गई है। उन्होंने कहा कि पानी के प्राकृतिक प्रवाह में बाधा डालने वाले व्यक्तियों ने अदालत से स्थगन आदेश प्राप्त कर लिया है, और यहां तक ??कि नगर निगम के अधिकारी भी इन क्षेत्रों में बाढ़ को कम करने में सहयोग नहीं कर रहे हैं। इसलिए मैंने अधिकारियों को आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत समस्या पैदा करने वाली इमारतों को हटाने का निर्देश दिया है।

शिवकुमार ने स्पष्ट किया कि सरकार का किसी की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने या अन्यायपूर्ण कार्य करने का इरादा नहीं है, लेकिन यह सुनिश्चित करने के लिए एक स्थायी समाधान खोजना महत्वपूर्ण है कि वर्षा जल सुचारू रूप से बहता रहे और इससे असुविधा न हो।

सम्पादकीय

इंटरनेशनल फिल्म सिटी में बनने वाले फिल्म इंस्टीट्यूट में यूपी के युवाओं को मिलेगी वरीयता

उत्तर प्रदेश के यमुना एक्सप्रेसवे के पास बनने वाली इंटरनेशनल फिल्म सिटी में एक अत्याधुनिक फिल्म इंस्टीट्यूट की स्थापना की जाएगी, जो राज्य के युवाओं, खासकर यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र और इसके आसपास के युवाओं के लिए सुनहरे अवसर लेकर आएगा। इस इंस्टीट्यूट में एक्टिंग, स्क्रिप्ट राइटिंग, एडिटिंग, वीएफएक्स, कैमरा ऑपरेशन, लाइटिंग, फैशन, मीडिया और मास कम्युनिकेशन जैसे विविध कोर्सेज में प्रशिक्षण दिया जाएगा। खास बात यह है कि प्रशिक्षण के बाद युवाओं को फिल्म सिटी में ही रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी। उल्लेखनीय है कि यमुना एक्सप्रेसवे के पास बनने वाली यह इंटरनेशनल फिल्म सिटी 230 एकड़ में पहले चरण के तहत विकसित की जा रही है, जिसमें 1,510 करोड़ रुपये की लागत आएगी।बॉलीवुड के प्रसिद्ध निमार्ता बोनी कपूर और भूटानी ग्रुप के कंसोर्सियम बेव्यू भूटानी फिल्म सिटी प्रा. लि. द्वारा यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यीडा) के सेक्टर 21 में फिल्म सिटी का निर्माण करने जा रही है। निर्माण के पहले चरण में आगामी तीन साल के अंदर विभिन्न स्टूडियो और फिल्म इंस्टीट्यूट का निर्माण संपन्न होगा। कंपनी के जीएम राजीव अरोड़ा ने बताया कि यह फिल्म इंस्टीट्यूट अपनी तरह का अनोखा होगा। पहले चरण में 3 लाख स्क्वायर फीट क्षेत्र में इसका निर्माण किया जाएगा। इंस्टीट्यूट में आधुनिक तकनीकों से सुसज्जित कक्षाएं, स्टूडियो, एडिटिंग सुइट्स और वीआर लैब होंगे। छात्रों को वास्तविक फिल्म परियोजनाओं पर काम करने का अनुभव प्रदान किया जाएगा, साथ ही नवीनतम फिल्म तकनीकों तक उनकी पहुंच सुनिश्चित की जाएगी।स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता, मिलेंगे रोजगार के अवसरराजीव अरोड़ा ने कहा कि इंस्टीट्यूट में प्रशिक्षण और रोजगार दोनों में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। खास तौर पर यमुना एक्सप्रेसवे और इसके आसपास के क्षेत्रों के युवाओं को पहली वरीयता मिलेगी, जबकि उत्तर प्रदेश के अन्य हिस्सों के युवा भी लाभान्वित होंगे। उन्होंने बताया कि मुंबई से स्टाफ लाने की तुलना में स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित कर रोजगार देना अधिक किफायती होगा, जिससे फिल्म सिटी में ही स्टूडियो, प्रोडक्शन और अन्य क्षेत्रों में नौकरियां सृजित होंगी।व्यापक पाठ्यक्रम और प्रोडक्शन हाउस से साझेदारीइंस्टीट्यूट में एक्टिंग, स्टोरी राइटिंग, स्क्रिप्ट राइटिंग, एडिटिंग, कैमरा ऑपरेशन, लाइटमैन, स्पॉट ब्वॉय, वीएफएक्स, फैशन और मास कम्युनिकेशन जैसे कोर्सेज उपलब्ध होंगे। इसके अलावा, फिल्म म्यूजिक से संबंधित प्रशिक्षण और सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी।

आज का विचार

'कल से करेंगे'
यही वो वाक्य है
जो पूरे जीवन मनुष्य को
{ कामयाबी }
तक नहीं पहुँचने देता

भारत संवाद

देशहित से ही बचेगी पत्रकारिता की साख

पत्रकारिता का केवल एक ही पक्ष होना चाहिए- देशहित। कलम का जनता के पक्ष और देशहित में चलना ही उसकी सार्थकता है। पत्रकारिता में हमें जरूर ध्यान रखना चाहिए कि हमारे शब्दों एवं प्रश्नों से राष्ट्र की प्रतिष्ठा पर आँच न आए।

पा हिंदुस्थानियों के हित के हेत इस उद्देश्य के साथ 30 मई, 1826 को भारत में हिंदी पत्रकारिता की नींव रखी जाती है। पत्रकारिता के अधिष्ठाता देवर्षि नारद के जयंती प्रसंग (वैशाख कृष्ण पक्ष द्वितीया) पर हिंदी के पहले समाचार-पत्र उदंत मार्तंड का प्रकाशन होता है। इस सुअवसर पर हिंदी पत्रकारिता का सूत्रपात होने पर संपादक पंडित युगलकिशोर समाचार-पत्र के पहले ही पृष्ठ पर अपनी प्रसन्नता प्रकट करते हुए उदंत मार्तंड का उद्देश्य स्पष्ट करते हैं। आज की तरह लाभ कमाना उस समय की पत्रकारिता का उद्देश्य नहीं था। भारत की स्वतंत्रता से पूर्व प्रकाशित ज्यादातर समाचार-पत्र आजादी के आंदोलन के माध्यम बने। अंग्रेज सरकार के विरुद्ध मुखर रहे। यही रुख उदंत मार्तंड ने अपनाया। अत्यंत कठिनाईयों के बाद भी पंडित युगलकिशोर उदंत मार्तंड का प्रकाशन करते रहे।किंतु, यह संघर्ष लंबा नहीं चला। हिंदी पत्रकारिता के इस बीज की आयु 79 अंक और लगभग डेढ़ वर्ष रही। इस बीज की जीवटता से प्रेरणा लेकर बाद में हिंदी के अन्य समाचार-पत्र प्रारंभ हुए। आज भारत में हिंदी के समाचार-पत्र सबसे अधिक पढ़े जा रहे हैं। प्रसार संख्या की दृष्टि से शीर्ष पर हिंदी के समाचार-पत्र ही हैं। किंतु, आज हिंदी पत्रकारिता में वह बात नहीं रह गई, जो उदंत मार्तंड में थी। संघर्ष और साहस की कमी कहीं न कहीं दिखाई देती है। दरअसल, उदंत मार्तंड के घोषित उद्देश्य हिंदुस्थानियों के हित के हेत का अभाव आज की हिंदी पत्रकारिता में दिखाई दे रहा है। हालाँकि, यह भाव पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है, लेकिन बाजार के बोझ तले दब गया है। व्यक्तिगत तौर पर मैं मानता हूँ कि जब तक अंश मात्र भी देशहित पत्रकारिता की प्राथमिकता में है, तब तक ही पत्रकारिता जीवित है। आवश्यकता है कि प्राथमिकता में यह भाव पुष्ट हो, उसकी मात्रा बढ़े। समय आ गया है कि एक बार हम अपनी पत्रकारीय यात्रा का सिंहावलोकन करें। अपनी पत्रकारिता की प्राथमिकताओं को जरा टटोलें। समय के थपेडों के साथ आई विषंगतियों को दूर करें। समाचार-पत्रों या कहें पूरी पत्रकारिता को अपना अस्तित्व बचाना है, तब उदंत मार्तंड के उद्देश्य को आज फिर से अपनाना होगा। अन्यथा सूचना के डिजिटल माध्यम बढ़ने से समूची पत्रकारिता पर अप्रासंगिक होने का खतरा मंडरा ही रहा है। असल में आज की पत्रकारिता के समक्ष अनेक प्रकार की चुनौतियां मुंहबांए खड़ी हैं। यह चुनौतियां पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों से डिगने के कारण उत्पन्न हुई हैं। पूर्वजों ने जो सिद्धांत और मूल्य स्थापित किए थे, उनको साथ लेकर पत्रकारिता मिशन से प्रोफेशन की ओर जाती, तब संभवतः कम समस्याएं आतीं। क्योंकि मूल्यों और सिद्धांतों की उपस्थिति में प्रत्येक व्यवसाय में मयार्दा और नैतिकता का ख्याल रखा जाता है। किंतु, जैसे ही हम तय सिद्धांतों से हटते हैं, मयार्दा को लांघते हैं, तब स्वाभाविक तौर पर चुनौतियां सामने आने लगती हैं। नैतिकता के प्रश्न भी खड़े होने लगते हैं। यही आज मीडिया के साथ हो रहा है। मीडिया के समक्ष अनेक प्रश्न खड़े हैं। स्वामित्व का प्रश्न। भ्रष्टाचार का प्रश्न। मीडिया संस्थानों में काम करने वाले पत्रकारों के शोषण, स्वाभिमान और स्वतंत्रता के प्रश्न हैं। वैचारिक पक्षधरता के प्रश्न हैं। भारतीय भाव को तिरोहित करने का प्रश्न। इन प्रश्नों के कारण उत्पन्न हुआ सबसे बड़ा प्रश्न- विश्वसनीयता का है। यह सब प्रश्न उत्पन्न हुए हैं पूँजीवाद और कम्युनिज्म के उदर से। सामान्य-सा फलसफा है कि बड़े लाभ के लिए बड़ी पूँजी का निवेश किया जाता है। आज अखबार और न्यूज चैनल का संचालन कितना महंगा है, हम सब जानते हैं। अर्थात मौजूदा दौर में मीडिया पूँजी का खेल हो गया है। एक समय में पत्रकारिता के व्यवसाय में पैसा बाय प्रोडक्ट था। लेकिन, उदारीकरण के बाद बड़ा बदलाव मीडिया में आया है। बाय प्रोडक्ट को प्रमुख मान कर अधिक से अधिक धन उत्पन्न करने के लिए धन्नासेठों ने समाचारों का ही व्यवसायीकरण कर दिया है। यही कारण है कि मीडिया में कभी जो छुट-पुट भ्रष्टाचार था, अब उसने संस्थागत रूप ले लिया है। वहीं, कम्युनिस्टों ने अपनी विचारधारा के प्रसार और भारतीयता को कमजोर करने के लिए पत्रकारिता को एक साधन के रूप में अपनाया। आज भी मीडिया में कम्युनिस्टों की पकड़ साफ दिखायी देती है। इसलिए वे जब चाहते हैं, भारत विरोधी विमर्श खड़े कर देते हैं। इस्लामिक आक्रामकता पर पर्दा डालने और हिन्दुओं को सांप्रदायिक सिद्ध करने में कम्युनिस्ट पत्रकारों ने ऐड़ी-चोटी का जोर लगाया है। अभी हाल ही में भोपाल में लव जिहाद का बड़ा मामला सामने आया, जिसमें आरोपी मुस्लिम लड़के भी स्वीकार कर रहे हैं कि हिन्दू लड़कियों को धोखे स फंसाना और उनका यौन शोषण करना, उनके लिए सवाब का काम है। जब हिन्दी के प्रमुख समाचारपत्रों ने मुस्लिम लड़कों की इस स्वीकारोक्ति को प्रकाशित किया, तब कम्युनिस्ट माइंडसेट के मीडियाकर्मियों को बहुत बुरा लगा। उन्होंने अपने संस्थानों के डिजिटल एवं प्रिंट संस्थानों में इसके खिलाफ लिखना शुरू कर दिया। मतलब सच सामने नहीं आना चाहिए। भले ही हिन्दू लड़कियां मजहबी दरिंदों का शिकार होती रहें। पता नहीं उन्हें सच्ची बात लिखना, सांप्रदायिकता और मुस्लिम विरोध क्यों लगता है? इस्लामिक अपराध पर पर्दा डालने के लिए इसी प्रकार के कम्युनिस्ट एक से बढ़कर एक चालाकियां दिखाते हैं। जब कोई मौलवी दुष्कर्म या किसी आपराधिक कृत्य में पकड़ा जाता है, तब ये उसके लिए मौलवी या औलिया नहीं अपितु साधु या बाबा शब्द का उपयोग करते हैं। लोगों को इसी प्रकार भ्रमित करने की पत्रकारिता कम्युनिस्टों ने की है। हिन्दुओं की मॉब लिंचिंग के समाचार को सिंगल कॉलम में कहीं छिपा दिया जाता है, जबकि मुस्लिम व्यक्ति की मॉब लिंचिंग पर भारत से लेकर अमेरिका तक के समाचारपत्रों के प्रथम पृष्ठ से लेकर संपादकीय पृष्ठ तक रच दिए जाते हैं। यह दोहरा आचरण ही दोनों समुदायों के बीच नफरत फैलाता है। ऐसे ही कुछ तथाकथित विद्वानों ने यह भ्रम भी पैदा कर दिया है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में पत्रकारिता की भूमिका विपक्ष की है। जिस प्रकार विपक्ष ने हंगामा करने और प्रश्न उछालकर भाग खड़े होने को ही अपना कर्तव्य समझ लिया है, ठीक उसी प्रकार कुछ पत्रकारों ने भी सनसनी पैदा करना ही पत्रकारिता का धर्म समझ लिया है। लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ की विराट भूमिका से हटाकर न जाने क्यों पत्रकारिता को हंगामाखेज विपक्ष बनाने का प्रयत्न किया जा रहा है? यह अवश्य है कि लोकतंत्र में संतुलन बनाए रखने के लिए चारों स्तम्भों को परस्पर एक-दूसरे की निगरानी करनी है। पत्रकारिता को भी सत्ता के कामकाज की समीक्षा करनी है और उसको आईना दिखाना है। हम पत्रकारिता की इस भूमिका को देखते हैं, तब हमें वह हंगामाखेज नहीं अपितु समाधानमूलक दिखाई देती है। भारतीय दृष्टिकोण से जब हम संचार की परंपरा को देखते हैं, तब प्रत्येक कालखंड में संचार का प्रत्येक स्वरूप लोकहितकारी दिखाई देता है। संचार का उद्देश्य समस्याओं का समाधान देना रहा है।पत्रकारिता का केवल एक ही पक्ष होना चाहिए- देशहित। कलम का जनता के पक्ष और देशहित में चलना ही उसकी सार्थकता है। पत्रकारिता में हमें जरूर ध्यान रखना चाहिए कि हमारे शब्दों एवं प्रश्नों से राष्ट्र की प्रतिष्ठा पर आँच न आए। हमारी कलम से निकल बहने वाली पत्रकारिता की धारा भारतीय स्वाभिमान, सम्मान और सुरक्षा के विरुद्ध न हो। कहने का अभिप्राय इतना-सा है कि हमारी पत्रकारिता में राष्ट्र सबसे पहले का भाव जागृत होना चाहिए। वर्तमान पत्रकारिता में इस भाव की अनुपस्थिति दिखाई दे रही है। यदि पत्रकारिता में राष्ट्र सबसे पहले का भाव जाग गया तब पत्रकारिता के समक्ष आकर खड़ी हो गईं ज्यादातर चुनौतियां स्वतः ही समाप्त हो जाएंगी। हिंदी के पहले समाचार पत्र उदंत मार्तंड का जो ध्येय वाक्य था- हिंदुस्थानियों के हित के हेत। अर्थात देशवासियों का हित-साधन। यही तो राष्ट्र सबसे पहले का भाव है। समाज के सामान्य व्यक्ति के हित की चिंता करना। उसको न्याय दिलाना। उसकी बुनियादी समस्याओं को हल करने में सहयोगी होना। न्यायपूर्ण बात कहना।

राशिफल

मेष राशि: दिन काफी व्यस्तता भरा रहने वाला है. कल आप अपने कामकाज को लेकर काफी चिंतित भी रह सकते हैं. लेकिन, लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि यह आपका भ्रम है. आपके द्वारा पूर्व में किए गए कार्यों के अच्छे परिणाम मिलेंगे.

वृषभ राशि : दिन अनुकूल रहने वाला है. आप भविष्य में किसी बड़ी यात्रा की योजना बनाएंगे. इतना ही नहीं आप अपने घर या दुकान का निर्माण कार्य शुरू करने पर विचार कर सकते हैं. आपके मन में अच्छे भाव आएंगे और आप काफी हल्कापन महसूस करेंगे. आपके प्रिय व्यक्ति आपके सामने अपने दिल के राज खोलेंगे.

मिथुन राशि: काफी व्यस्त रहने वाले हैं. इतना ही नहीं कल आप मानसिक तनाव के कारण काफी परेशान रहेंगे और आपकी सेहत भी थोड़ी कमजोर रह सकती है. जैसे जैसे दिन आगे बढ़ेगा. आप काफी बेहतर महसूस करेंगे.

कर्क राशि: थोड़ी कमजोरी महसूस कर सकते हैं. हालांकि, व्यापार से जुड़े जातकों के लिए कल का दिन बहुत अच्छा रहने वाला है. आपको सलाह है कि कल अपने पार्टनर के साथ झगड़ा करने से बचें. साथ ही कल आपकी लव लाइफ काफी अच्छी रहने वाली है. शादीशुदा लोगों को कल अपने पार्टनर की सेहत को लेकर चिंता सता सकती है.

सिंह राशि: दिन काफी अनुकूल रहने वाला है. जीवन में जो असमंजस था वह अब दूर होगा. इतना ही नहीं कल आपकी आय में वृद्धि होगी. कामकाज में सफलता मिलेगी और परिवार की तरक्की के लिए किए जा रहे प्रयास सफल होंगे. समाज में कल आपको सम्मान मिलेगा.

कन्या राशि: दिन सामान्य रहने वाला है. आपके महत्वपूर्ण कार्यों में रुकावट आने से आप काफी असहज महसूस करेंगे और इससे आपकी मानसिक चिंताएं भी बढ़ेंगी. आपका ध्यान जीवनसाथी पर ज्यादा रहने वाला है.

तुला राशि: दिन काफी अच्छा रहेगा. कल आप अपनी संतान को काफी स्नेह देंगे. इतना ही नहीं कल दांपत्य जीवन में स्थितियां काफी हद तक कंट्रोल में रहेगी

वृश्चिक राशि: दिन बहुत ही अनुकूल रहने वाला है. आपको महसूस होगा की आपको परिवार में कहा ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है. कल आपकी आमदनी सामान्य रहेगी और आपके खर्च भी जरुरत के अनुसार ही होंगे. परिवार के छोटे सदस्यों में आपसी लड़ाई होने की संभावना है.

धनु राशि : दिन काफी अनुकूल रहने वाला है. कल आपको यात्रा करने से बचना होगा. दरअसल, कल का दिन यात्रा के लिहाज से अनुकूल नहीं दिखाई दे रहा है. कल आपकी सेहत थोड़ी नरम रह सकती है.

मकर राशि: दिन काफी महत्वपूर्ण रहेगा. दरअसल, कल आप खुद पर ध्यान देंगे. आप अपनी इच्छाओं को प्राथमिकता देंगे और इसके लिए भरपूर प्रयास भी करेंगे. काम के सिलसिले में आपको कई बेहतरीन परिणाम मिलेंगे

कुंभ राशि: दिन काफी अनुकूल रहने वाला है. इतना ही नहीं कल आपके कार्यों में आ रही रुकावट दूर होंगी. फिलहाल, आपकी स्थितियों में सुधार होगा और आप खुद पर अधिक विश्वास करेंगे. घर परिवार में कल सुख शांति बनी रहेगी और मनोरंजन का माहौल रहेगा.

मीन राशि : दिन काफी अनुकूल रहेगा. कल आपकी आय में वृद्धि होगी. जिससे आपको सुख की प्राप्ति होगी. आपकी आय में वृद्धि होगी. कल आपके खर्च अधिक रहने वाले हैं. कल आप काफी खर्च करना चाहेंगे. काम के सिलसिले में आपको बहुत अच्छे परिणाम हासिल होंगे. प्रेम जीवन में कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है. कल आपका प्रिय आपकी कमी महसूस करेगा. जो लोग शादीशुदा है उनके लिए कल का दिन दांपत्य में काफी अच्छा रहेगा. जीवनसाथी से कुछ गलतफहमियां दूर होंगी.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

भारत की आर्थिक नीतियों का कमाल, भारत बना चौथा वैश्विक आर्थिक सिरमौर

संजीव ठाकुर

यह चमत्कार से कम नहीं है कि वर्ष 2014 के पहले मनमोहन सिंह की कांग्रेस की सरकार के समय भारत विश्व में 11वीं आर्थिक शक्ति में गिना जाता था।2014 में भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनते ही सबसे पहले आर्थिक मजबूती की नीतियों पर ध्यान देते हुए भारत की अंदरूनी अर्थशास्त्र मरम्मत करते हुए आज 2025 में विश्व की जापान जैसी चौथी आर्थिक शक्ति को पीछे छोड़ते हुए वैश्विक स्तर पर चौथी महाशक्ति बन गया है। सकल जीडीपी में भारत ने उत्साह जनक वृद्धि करते हुए आश्चर्यजनक रूप से चौथी अर्थव्यवस्था बनने का कम समय में रिकॉर्ड बनाया है। यह ऐसे समय में भारत ने किया है जब भारत के समक्ष विपरीत परिस्थितियों पहाड़ बनकर खड़ी हुई है ऑपरेशन सिंदूर में सामरिक तौर पर पाकिस्तान को परास्त करते हुए अमेरिका चीन पाकिस्तान तुर्की जैसे देशों का मुकाबला डटकर किया है। भारत ऑपरेशन सिंधु चलते हुए पाकिस्तान के 9 हवाई बेस अड्डों को नष्ट किया है के अलावा 100 आतंकवादियों को मार भी गिराया है ट्रंप ने इस मामले में दबाव डालने का भरपूर प्रयास किया था भारत के कड़े रुख के कारण अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपने बयान से यू टर्न लेना पड़ा और भारत और पाकिस्तान के बीच से अपना हाथ खींच लिया है। अब भारत में कूटनीतिक तौर पर अपने 60 से अधिक सांसदों को विदेश विभिन्न देशों में अपने सांसदों का दल भेज कर भारत का रुख साफ करने एवं पाकिस्तान की काली करतूत के तहत विभिन्न आतंकवादी गतिविधियों को संचालित करने का पदार्फास भी किया है। भारत ना सिर्फ चौथी आर्थिक शक्ति बना है बल्कि सामरिक तौर पर अपनी फौज के दम पर पाकिस्तान जैसे आतंकवादी देश को परास्त करते हुए चौथी आर्थिक महाशक्ति बन गया है। अब वह दिन दूर नहीं जब भारत अपनी वर्तमान की आर्थिक नीतियों पर चलते हुए बहुत शीघ्र जर्मन जैसे शक्तिशाली देश को पीछे छोड़ते हुए तीसरी महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर हो गया है। भारत सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि किसी भी देश की नियत साफ हो तो वह किसी भी दिशा में सकारात्मक रूप से शांति स्थापना की अच्छी मंशा को लेकर वैश्विक स्तर पर अच्छी छवि बनाकर सिरमौर भी बन सकता है। भारत 141 करोड लोगों के श्रम के हाथों और मजबूत आर्थिक नीतियों के चलते 4000 अरब डॉलर वाला कुल सकल उत्पाद की ताकत के बाद वैश्विक स्तर पर चौथी आर्थिक ताकत बनकर उभरा है। भविष्य में भारत को अपने नागरिकों के श्रम के दम पर बहुत शीघ्र जर्मनी जैसे ताकतवर पश्चिमी देश को पीछे छोड़कर तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। वर्तमान में भारत अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 40 पैसे मजबूत हुआ है इंटरनेशनल मोनेटरी फंड तथा विश्व बैंक ने भारत की प्रशंसा करते हुए कहा है कि विश्व की दूसरी अर्थव्यवस्थाओं के लगातार प्रदर्शन के बीच भारत की अंदरुनी अर्थव्यवस्था काफी मजबूत हुई है तथा यह मजबूत अर्थव्यवस्था लगातार जारी रहने की संभावना है। ऑपरेशन सिंदूर के पश्चात यह बहुत शुभ खबर है कि पाकिस्तान में हमले के बाद इसराइल फ्रांस ब्रिटेन एवं अन्य यूरोपीय देशों के साथ-साथ खाड़ी के देश भी भारत के सामरिक अस्त्र-शस्त्र खरीदने की होड़ में शामिल हो गए हैं एवं भारत में बने रक्षा उत्पादों को खरीदने की मंशा रखते हैं। भारत को न सिर्फ निर्यात बल्कि देश के लिए उपयोगी आवश्यक वस्तुओं का आयात भी करना होगा तब जाकर हम तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर उन्मुख हो सकते हैं। भारत के प्रधानमंत्री ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अब हमें चीन के सामानों का उपयोग ना करके घर में ही उत्पादन बढ़ाकर आर्थिक रूप से चीन को करारा जवाब देकर उसे आर्थिक रूप से परास्त करना है। भारत ने डिजिटल टेक्नोलॉजी को काफी हद तक विस्तृत कर पूरी दुनिया में यह साबित कर दिया है कि डिजिटाइजेशन में भारत बहुत आगे बढ़ गया है और भारत की विशाल जनसंख्या को हमने बोझ बनने ना देकर उसे अपनी शक्ति के तौर पर इस्तेमाल किया है और यही कारण है कि हम अपने निरंतर आर्थिक सुधारो तथा ग्रामीण क्षेत्र में इन्फ्रास्ट्रक्चर में अभूतपूर्व परिवर्तन कर देश को एक नया सकारात्मक आकार दिया है। वैश्विक स्तर पर भारत के चौथी महाशक्ति बनने के साथ-साथ एक स्वर्णिम अध्याय भी शुरू हुआ है। भारत की नीति आयोग की आवश्यक मीटिंग में इस बात को उजागर किया गया है एवं इंटरनेशनल मोनेटरी फंड के उपलब्ध कराये हुए डेटाबेस के आधार पर भारत चौथी आर्थिक महाशक्ति के पद पर काबिज हो गया है उल्लेखनीय है कि भारत के पहले बाहुबली अमेरिका भारत का परंपरागत विरोधी चीन और जर्मनी मौजूद हैं। 2014 के पहले यूपीए सरकार के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के समय भारत विश्व की 11वीं आर्थिक शक्ति बना था इसके पश्चात नरेंद्र मोदी की सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल में भारत को गुलाम रखने वाले देश ब्रिटेन को पीछे छोड़कर पांचवी आर्थिक शक्ति का पद हासिल किया था। भारत में स्वतंत्रता के बाद से आर्थिक सामाजिक वैज्ञानिक तथा स्वास्थ्य सेवाओं में भारी वृद्धि कर एक सकारात्मक विचारों वाली सरकार को आगे बढ़ाया था। भारत में 1947 के बाद धीरे-धीरे वृद्धि की और अपनी आर्थिक तथा सामरिक शक्ति को सदैव शांति के पक्ष में रखकर आक्रमण न करने की नीति को अपनाया था। 2014 में नरेंद्र मोदी की सरकार ने आर्थिक नीतियों पर ज्यादा जोर देते हुए नई-नई नीतियों तथा विदेशी शक्तियों से हाथ मिलाकर आयात निर्यात को बहुत ज्यादा बढ़ावा दिया और अपनी जनसंख्या को ताकत बनते हुए घरेलू सकल उत्पाद पर ज्यादा ध्यान देते हुए 2025 तक तीसरे कार्यकाल में यह स्वर्णिम उपलब्धि प्राप्त की है। गौरतलाप है कि 1947 में भारत के साथ पाकिस्तान भी स्वतंत्र हुआ था किंतु पाकिस्तान अपनी आतंकवादी काली करतूत के कारण भुखमरी का कगार पर खड़ा है एवं उसके अस्तित्व के संकट के बादल सर पर मंडरा रहे हैं वह भीख का कटोरा लेकर दर-दर घूम रहा है परंतु उसे कोई उधार देने को भी तैयार नहीं है। इन परिस्थितियों में जब ट्रंप की नई सरकार ने सभी देशों पर भारी टैरीफ लगाने नीति अपनाई है जिसके परिणाम स्वरूप यूरोपीय देश भी उससे अलग होने की जुगत में लगे हुए हैं। परिस्थितियों को देखते हुए कोई शक नहीं जब भारत बहुत जल्द तीसरी महाशक्ति बनेगा एवं अपनी सामरिक शक्ति के साथ पूरे विश्व का नेतृत्व करने की क्षमता प्राप्त कर सकता है।

मानव जीवन में कला का महत्व

विजय गर्ग

कला एक सर्वग्राही धारणा है जो मानव जाति के विकास में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कला मानव गतिविधियों और उन गतिविधियों के उत्पादों की एक विविध श्रृंखला है। कला एक विविध क्षेत्र है और इसमें कई रूपों में कलात्मक छाप शामिल हैं जिसमें पेंटिंग, मूर्तिकला, प्रिंटमेकिंग, फोटोग्राफी और अन्य दृश्य मीडिया सहित क्षेत्रों में छवियों या वस्तुओं का निर्माण शामिल हो सकता है। वास्तुकला को अक्सर दृश्य कला में से एक के रूप में शामिल किया जाता है; हालाँकि, सजावटी कला की तरह। कला के पहले रूप प्राचीन गुफाओं की दीवारों पर पत्थर के कामों के साथ-साथ पेंटिंग के रूप में पाए गए थे। तो हम अनुमान लगा सकते हैं कि पेंटिंग कला का पहला तरीका था। पेंटिंग कला का सबसे समझने योग्य तरीका है क्योंकि यह हमें सबसे पूर्ण और ज्वलंत छाप देता है। संगीत, थिएटर, फिल्म, नृत्य, और अन्य प्रदर्शन कला, साथ ही साहित्य, और अन्य मीडिया जैसे इंटरैक्टिव मीडिया कला की व्यापक परिभाषा में शामिल हैं। एक कविता, एक पेंटिंग, कलाकार द्वारा बनाई गई एक मूर्तिकला उसे खुशी देती है जबकि वह निर्माण के कार्य में है; यह समय की चूक के बाद उसे फिर से खुशी देता है, जब वह कल्पनाशीलता से सृजन के मूल क्षण को फिर से बनाता है या फिर से जीवित करता है और उस कला को ध्यान से देखने वाले व्यक्ति को खुशी की एक बड़ी भावना भी देता है। ऑनलाइन आर्ट कोर्सबेस्ट हेडफोन डील करता हैकला कई चीजों को व्यक्त करने का एक तरीका है। यह भावनाओं से निपटने का एक तरीका है जिसे बातचीत या शब्दों जैसे विशिष्ट साधनों के माध्यम से व्यक्त नहीं किया जा सकता है। कला आपकी भावनाओं को व्यक्त करने का एक तरीका देती है। 17 वीं शताब्दी तक, कला को किसी भी कौशल या महारत के लिए संदर्भित किया जाता है और शिल्प या विज्ञान से अलग नहीं किया जाता था, लेकिन आधुनिक उपयोग में, ललित कला, जहां सौंदर्य विचार सर्वोपरि हैं, सामान्य रूप से अधिग्रहीत कौशल और सजावटी या लागू कला से अलग हैं। आज 21 वीं शताब्दी में अतीत की तुलना में कला के आयाम बहुत बदल गए हैं। इन दिनों कला न केवल आपके विचारों को व्यक्त करने का एक तरीका है, बल्कि इसका उपयोग जनता को किसी प्रकार की जानकारी या संदेश भेजने के लिए भी किया गया है। कला का उपयोग राजनीति और सामाजिक एजेंडा जैसे संपादकीय कार्टून और राजनीतिक या धार्मिक आंकड़ों पर निर्देशित चित्रों के लिए किया जा सकता है। कला लोगों को विभिन्न दृष्टिकोणों से चीजों को देखने के लिए प्रेरित और अनुमति दे सकती है। ऑनलाइन फिल्म स्ट्रीमिंग सेवाएँऑनलाइन कला पाठ्यक्रमकविता, साहित्य, गीत, नाटक और सिनेमा के माध्यम से कला मनुष्य को सुकून देती है। कला प्रेमी अपना पूरा जीवन कला के लिए काम करने में बिता सकते हैं। कला मृत्यु और क्षय को पार करने के लिए मनुष्य की इच्छा को पूरा करने का कार्य करती है जिसके लिए सभी सांसारिक चीजें विषय हैं। कला मनुष्य को यह कल्पना करने में मदद करती है कि वांछित क्या है लेकिन उपयोग के लिए तुरंत उपलब्ध नहीं है। कला आपको दूसरी दुनिया में ले जाती है जहाँ आप अपनी भावनाओं द्वारा सब कुछ व्याख्या करते हैं। यह उसे सिजोफ्रेनिया की यातना और रुग्णता के बिना एक दोहरा जीवन जीने में सक्षम बनाता है। कला का महत्व हमारे मानव निर्मित पर्यावरण की प्रकृति से संबंधित है, और चाहे हम इसे एक आराम या पीड़ा के लिए बनाते हैं। समकालीन संस्कृति में कला और सुंदरता के स्थान को समझने के लिए, आपको कला के ऐतिहासिक रूपों की ओर मुड़ने की आवश्यकता है। कला ऑनलाइन कला पाठ्यक्रमों का इतिहास कला के सही अर्थ को समझने के लिए हमें उस ऐतिहासिक अवधि से शुरू करना होगा जहां से वास्तविक कला की अवधारणा शुरू हुई थीहालांकि आधुनिक शताब्दी में कला ने एक वाणिज्यिक मोड़ लिया है फिर भी कभी भी कम नहीं हैं

अमित शाह के कमरे में दो तस्वीरें...

वीर सावरकर का जिक्र करके फडणवीस ने राहुल गांधी को दिया बड़ा चैलेंज

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः महाराष्ट्र में एक बार फिर वीर सावरकर का मुद्दा गरमाता दिख रहा है। सावरकर पर टिप्पणियों को लेकर कानूनी मुकदमों में फंसे राहुल गांधी को भले सुप्रीम कोर्ट ने किसी प्रकार रोक लगाने से मना कर दिया है लेकिन सावरकर के अपमान को लेकर ही उद्धव ठाकरे के एक नेता ने राहुल गांधी को धमकी दी है।

इतना ही नहीं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी सावरकर के मुद्दे पर ही राहुल गांधी को चैलेंज किया है। फडणवीस ने मुंबई यूनिवर्सिटी के कार्यक्रम में कहा है कि कुछ मूर्ख उन्हें माफी वीर कहते हैं, मेरी उनसे केवल यही अपील है कि आप अंडमान की उस कोठरी में केवल 11 घंटे बिताएं, मैं आपको पद्मश्री से सम्मानित करने की सिफारिश करूंगा। वीर सावरकर सबसे खतरनाक क्रांतिकारी वीर सावरकर हैं। इसीलिए उनकी उपाधियां छीन ली गईं। अगर सावरकर को मार्सिले बंदरगाह में गिरफ्तार नहीं किया गया होता, तो भारतीय स्वतंत्रता का इतिहास अलग होता। वे एकमात्र स्वतंत्रता सेनानी हैं जिन्हें दो बार आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। कुछ मूर्ख उन्हें माफी वीर कहते हैं, मेरी उनसे केवल यही अपील है कि आप अंडमान की उस कोठरी में केवल 11 घंटे बिताएं, मैं आपको पद्मश्री से सम्मानित करने की सिफारिश करूंगा। फडणवीस ने राहुल गांधी को चुनौती देते हुए यह भी कहा कि फडणवीस ने यह भी कहा कि नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जिस कार्यालय में बैठते हैं, वहां उनकी कुर्सी के पीछे केवल दो तस्वीरें हैं। एक आर्य चाणक्य की और दूसरी स्वातंत्र्य वीर विनायक दामोदर सावरकर की है।

इसलिए सावरकर के प्रति उनकी भक्ति को शब्दों में व्यक्त करने की आवश्यकता नहीं है। शाह ने 28 मई को सावरकर के जन्मदिन पर उन्हें ओजस्वी लेखक बताया था। शाह ने कहा था कि मातृभूमि के प्रति निष्ठा और समर्पण को अंग्रेजों की कठिन यातनाएं भी डिगा न सकीं। भारतीय समाज को अस्पृश्यता के दंश से मुक्त कर एकता के मजबूत सूत्र में पिरोने हेतु आजीवन समर्पित वीर सावरकर जी को उनकी जयंती पर कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से कोटिशः नमन। फडणवीस ने कहा कि सावरकर का जीवन प्रेरणादायक है। उन्होंने बचपन में अभिनव भारत जैसे संगठन की स्थापना करके भारतीय स्वतंत्रता के बारे में जागरूकता पैदा की। उन्होंने लंदन में इंडिया हाउस के माध्यम से महान कार्य किए। महाराष्ट्र के सीएम ने वीर सावरकर की बैरिस्टर की डिग्री वापस लाने के लिए प्रयास शुरू करने का ऐलान किया है। बीजेपी

> महाराष्ट्र में हिंदुत्व के प्रणेता वीर सावरकर के जन्मदिन पर महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने सावरकर की बैरिस्टर की डिग्री बहाली के कोशिश करेगी। मुंबई यूनिवर्सिटी में फडणवीस ने सावरकर की तारीफ करते हुए राहुल गांधी पर निशाना भी साधा।

एक बार जहां फिर सावरकर को लेकर मुखर हुई है तो उद्धव ठाकरे की पार्टी के नेता सचिन अहीर ने मांग की है कि उन्हें राष्ट्र पुरुष घोषित किया जाए। हिन्दू राष्ट्रवाद और हिदुत्व की विचारधारा के जनक वीर सावरकर के मुद्दे पर राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने के बाद टिप्पणियों को लेकर राहुल गांधी को कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ा रहा है हालांकि दो दिन पहले (27 मई) सुप्रीम कोर्ट ने वह याचिका खारिज कर दी। जिसमें यह मांग की गई थी राहुल गांधी को सावरकर के खिलाफ नैरेटिव सेट करने और उनके नाम के गलत उपयोग को रोकने के लिए निर्देश दिए जाए। सुप्रीम कोर्ट ने सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने मामले की सुनवाई की। बेंच ने कहा- याचिकाकर्ता के किसी भी मौलिक अधिकार का उल्लंघन नहीं हुआ है और इसलिए न्यायालय हस्तक्षेप नहीं कर सकता, लेकिन महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने वीर सावरकर के मुद्दे पर राहुल गांधी को अपने अंदाज में चुनौती दी है।

फास्ट ट्रैक

मुंबई पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम (पीआरएस) उस्मानाबाद स्टेशन का नाम बदलकर धाराशिव स्टेशन करने के लिए 31.05.2025 को 23.45 बजे से 01.06.2025 को 01.30 बजे तक बंद रहेगा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई पीआरएस उस्मानाबाद स्टेशन का नाम बदलकर धाराशिव स्टेशन करने के लिए 31.05.2025 को 23.45 बजे से 01.06.2025 को 01.30 बजे तक बंद रहेगा और इसी गतिविधि के दौरान सायन स्टेशन के लिए भी उचित कार्रवाई की जाएगी। बंद होने के कारण, उपरोक्त अवधि के दौरान निम्नलिखित सेवाएँ उपलब्ध नहीं होंगीः

यात्री आरक्षण प्रणाली,
कोचिंग रिफंड,
चार्टिंग गतिविधियाँ,
ट्रेन फायरिंग,
आईवीआरएस,
वर्तमान आरक्षण (करेंट रेजर्वेशन),
चार्ट डिस्प्ले,
टच स्क्रीन,
रिफंड काउंटर और
कोचिंग रिफंड टर्मिनल

हालाँकि, मौजूदा रिफंड नियमों के अनुसार रिफंड के लिए टीडीआर जारी किया जाएगा।

चार साल पहले लिफ्ट में कुत्ते ने काटा, मुंबई की अदालत ने मालिक को सुनाई 4 महीने कैद की सजा, जुमार्ना भी लगाया

मुंबईः वर्ली के रहने वाले 40 वर्षीय ऋषभ पटेल को कोर्ट ने चार महीने की कठोर कारावास की सजा सुनाई गई है। इसके साथ ही अदालत ने उस पर 4,000 रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। कोर्ट ने ये फैसला पटेल के पालतू कुत्ते द्वारा लिफ्ट में एक पड़ोसी को काटने की घटना के चलते सुनाया है। यह मामला वर्ली के अल्फा अपार्टमेंट का है, जहां 2021 में यह घटना घटी थी। पटेल पर भारतीय दंड संहिता की धारा 289 (पालतू जानवर को नियंत्रण में न रखने) और 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना) के तहत मुकदमा चला। अदालत में प्रस्तुत सीसीटीवी फुटेज और चश्मदीद गवाहों की गवाही के आधार पर, न्यायिक मजिस्ट्रेट सुहास भोसले ने पटेल को दोषी करार दिया। उन्होंने अपने निर्णय में कहा कि आरोपी ने लिफ्ट में जबरदस्ती अपने कुत्ते को घसीटा, जिससे यह स्पष्ट होता है कि उसे न तो अपने पालतू जानवर की परवाह है

मुंबई पीआरएस ट्रेनों के लिए इंटरनेट बुकिंग उपर्युक्त अवधि के दौरान उपलब्ध नहीं होगी

- सोलापुर मंडल ने तिलाटी रेल स्टेशन के गुड्स शेड से ऑन-डिमांड माल ढुलाई की सुविधा प्रदान की
- चीनी की 2 रेक पहुंचाई, व्यापारियों से सुविधा का लाभ उठाने का आग्रह किया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मध्य रेल के सोलापुर मंडल ने बाहरी माल ढुलाई के लिए तिलाटी रेल स्टेशन के गुड्स शेड को ऑन-डिमांड उपलब्ध कराया है। तिलाटी गुड्स शेड से चीनी की 2 रेक सफलतापूर्वक अप्रैल और मई 2025 में तमिलनाडु में दक्षिण रेल के नेल्लीकुप्पम तक पहुंचाई गई हैं। 5360 मीट्रिक टन की इस माल ढुलाई से मंडल को ?70.04 लाख का राजस्व प्राप्त हुआ है। भविष्य की खेपों के लिए लक्षित किए जा रहे अतिरिक्त गंतव्यों में असम, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु राज्य शामिल हैं। सोलापुर और इसके आसपास के क्षेत्रों को रिकॉर्ड चीनी उत्पादन करने वाले क्षेत्र के रूप में जाना जाता है। इस रणनीतिक विकास से स्टेशन के 15-20 किलोमीटर के दायरे में संचालित कई चीनी मिलों को लाभ मिलने की उम्मीद है, क्योंकि इससे वे अपने चीनी उत्पादन को देश के विभिन्न हिस्सों में कुशलतापूर्वक परिवहन करने में सक्षम हो सकेंगे। तिलाटी स्टेशन का माल शेड न केवल स्थानीय उद्योगों की रसद संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करेगा, बल्कि क्षेत्र के आर्थिक विकास और रोजगार के अवसरों के सृजन में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। सोलापुर मंडल व्यापारियों, विशेषकर चीनी मिलों से अपील करता है कि वे अपने माल के सुरक्षित परिवहन को सुनिश्चित करने के लिए इस सुविधा का अधिकतम उपयोग करें। माल ढुलाई संचालन के लिए तिलाटी स्टेशन पर माल शेड से चीनी लोडिंग क्षमता को मजबूत करने और मध्य रेल के सोलापुर मंडल के लिए राजस्व सृजन को बढ़ावा मिलने की भी उम्मीद है। सोलापुर मंडल बेहतर कनेक्टिविटी और कुशल माल ढुलाई सेवाओं के माध्यम से बुनियादी ढांचे को बढ़ाने और क्षेत्रीय उद्योगों को समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुंबई एयरपोर्ट पर दो कैब ड्राइवर में बीच झगड़ा खतरनाक स्टंट में बदला

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। एयरपोर्ट पर मुंबई एयरपोर्ट पर दो कैब ड्राइवरों के बीच मामूली बहस ने खतरनाक स्थिति में बदल गई। एक ड्राइवर ने दूसरे चालक को कार के बोनल पर कई काफी दूर तक तक घसीटा। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। मुंबई पुलिस ने इस मामले में पीड़ित ड्राइवर की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए आरोपी ड्राइवर को हिरासत में लेकर उसकी गाड़ी भी जब्त की है। शहर के एयरपोर्ट के डोमेस्टिक टर्मिनल पर दो एग्रीगेटर कैब के ड्राइवरों के बीच मामूली झगड़ा एक खतरनाक स्टंट में बदल गया। इसमें एक ड्राइवर दूसरे की कैब के बोनट पर कूदकर अपनी जान बचाई तो वहीं दूसरी दूसरे ने हमले से बचने के लिए कैब को तेज गति से दौड़ा दिया है। जानकारी के अनुसार कैब में सवार ड्राइवर भीमप्रसाद महंतो (34) का झगड़ा जस्टिन जे (34) के साथ हुआ। महंतो ने हमले से बचने के लिए कैब दौड़ा दी। इस दौरान जस्टिन कैब के बोनल पर चिपका रहा। महतो वह वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर कई किलोमीटर तक गाड़ी चलाता रहा। वहां से गुजर रहे एक दोपहिया सवार ने इस घटना वीडियो बना लिया।

महाराष्ट्र सरकार ने लोक माता अहित्याबाई होलकर के लिए खोला खजाना

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः महाराष्ट्र में 681 करोड़ रुपये की लागत से लोकमाता अहिल्यादेवी होलकर के स्मृति स्थल का संरक्षण और विकास किया जाएगा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अगुवाई वाली महायुति सरकार ने पिछले दिनों पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर के सम्मान में अहिल्यानगर में ही कैबिनेट की बैठक की थी। बुधवार को राज्य के वित्त मंत्री और डिप्टी सीएम अजित पवार ने इस आशय का ऐलान किया। डिप्टी सीएम अजित पवार ने पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी के जन्मस्थान चौंडी स्थित स्मृति स्थल के विकास आराखड़े के लिए नियोजन विभाग से 681 करोड़ रुपये के खर्च को प्रशासकीय मंजूरी प्रदान कर दी। महाराष्ट्र सरकार ने भारतीय इतिहास में कुशल शासकों में जानी गई अहिल्याबाई होलकर के स्मृति स्थल को यह राशि ऐसे वक्त पर जारी की है जब इसी महीने की 31 मई को उन्म जन्म के 300 साल पूरे हो रहे हैं। पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर का जन्मस्थाल महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले के जामखेड तालुका के मौजे चौंडी में स्थित है। विश्व की महानतम महिला शासकों में से एक पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी के जन्मस्थान चौंडी में स्मृति स्थल का भव्य विकास हो। इसके लिए महाराष्ट्र सराकार ने बड़ा बजट आवंटित किया है।

गोल्डन टेंपल मेल का टर्मिनल मुंबई सेंट्रल स्टेशन से बदलकर बांद्रा टर्मिनस किया गया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई सेंट्रल स्टेशन पर अतिरिक्त पिट लाइनों के निर्माण से संबंधित बुनियादी ढांचे के उन्नयन का कार्य किया जा रहा है। परिणामस्वरूप, ट्रेन संख्या 12903/12904 मुंबई सेंट्रल-अमृतसर गोल्डन टेंपल मेल के टर्मिनल को छह महीने की अवधि के लिए अस्थायी तौर पर मुंबई सेंट्रल से बांद्रा टर्मिनस स्टेशन स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, परिवर्तनों का विवरण निम्नानुसार हैः ट्रेन संख्या 12903 मुंबई सेंट्रल-अमृतसर गोल्डन टेंपल मेल 18 अगस्त, 2025 से 17 फरवरी, 2026 तक मुंबई सेंट्रल के बजाय बांद्रा टर्मिनस से 18:45 बजे प्रस्?थान करेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 12904 गोल्डन टेंपल मेल 16 अगस्त, 2025 से 15 फरवरी, 2026 तक मुंबई सेंट्रल के बजाय बांद्रा टर्मिनस पर 23:55 बजे टर्मिनेट होगी। मध्यवर्ती स्टेशनों पर ठहराव के समय में कोई परिवर्तन नहीं होगा। ट्रेनों के ठहराव, समय एवं संरचना से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

रेल कलबुरगि-कोल्हापुर एक्सप्रेस में 3 अतिरिक्त सामान्य द्वितीय श्रेणी के कोच जोड़ेगा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

भारतीय रेल ने यात्रियों की मांग को देखते हुए कलबुरगि-कोल्हापुर एक्सप्रेस में 3 अतिरिक्त कोच जोड़ने का फैसला किया है, जैसा कि नीचे दिया गया हैःट्रेन संख्या 22155/22156 कलबुरगि-श्री छत्रपति शाहू महाराज टर्मिनस कोल्हापुर एक्सप्रेस में 3 अतिरिक्त सामान्य द्वितीय श्रेणी के कोच

- कलबुरगि से 10.06.2025 से

- श्री छत्रपति शाहू महाराज टर्मिनस कोल्हापुर से 10.06.2025 से

ट्रेन संख्या 22155/22156 के लिए संशोधित संरचनाः 2 एसी-ककक टियर, 3 स्लीपर क्लास, 10 सेकंड सिटिंग, 3 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 लगेज सह गार्ड ब्रेक वैन। (20 कोच) यात्रियों से अनुरोध है कि वे परिवर्तनों पर ध्यान दें और सुविधा का लाभ उठाएं।

पालघर में डीएफसीसीआईएल ने जेसीबी से गिराई 1 किमी लंबी वायाडक्ट संरचना

मुंबईः पालघर के खारबाव में वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डब्ल्यूडीएफसी) के अंतर्गत बनाई गई करीब 1 किलोमीटर लंबी वायाडक्ट संरचना को डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (डीएफसीसीआईएल) ने अचानक गिरा दिया। इस क्षेत्र में 14 पिलर और डेक स्लैब का निर्माण पूरा हो चुका था। हैरानी की बात यह है कि इस तोड़फोड़ का कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया गया है। इससे डीएफसीसीआईएल की कार्यशैली और योजना पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने इस मामले को लेकर डीएफसीसीआईएल को आड़े हाथों लिया है।

भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन द्वारा सोलापुर और मडगांव से अष्ट ज्योतिर्लिंग श्रावण विशेष यात्रा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम लिमिटेड (आईआरसीटीसी) भारत सरकार के रेल मंत्रालय के तहत एक 'नवरत्न' सूचीबद्ध कंपनी है। यह ऑनलाइन रेलवे टिकट बुकिंग, खानपान, पर्यटन, रेल नीर और आतिथ्य सेवाओं सहित सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। IRCTC का उद्देश्य भारत भर में यात्रा को हर यात्री के लिए अधिक सुविधाजनक, सुखद और किफायती बनाना है। आईआरसीटीसी का पश्चिम क्षेत्र मुंबई कार्यालय दिनांक 19.07.2025 को सोलापुर से और दिनांक 05.08.2025 को मडगांव से भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन द्वारा अष्ट ज्योतिर्लिंग श्रावण विशेष यात्रा शुरू करने की घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है। भारत गौरव टूर पैकेज यात्रियों को इस श्रावण में एक परेशानी मुक्त और यादगार छुट्टी का अनुभव प्रदान करेगा। श्री। गौरव झा, श्री गौरव झा, समूह महाप्रबंधक, पश्चिम क्षेत्र, ने कहा कि यह पैकेज परिवारों, समूहों और अकेले यात्रियों को ज्योतिर्लिंग के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों की यात्रा का एक सहज और किफायती तरीका है, साथ ही पर्यटक ट्रेन यात्रा से आराम और सुविधा का आनंद भी उठाते हैं। सोलापुर से टूर दिनांक 19.07.2025 को, पैकेज मूल्य प्रति व्यक्ति लगभग 22760/- रुपये और मडगांव से टूर दिनांक 05.08.2025 को, प्रति व्यक्ति लगभग 23880/- रुपये से शुरू होता है। श्री गौरव झा, ग्रुप जनरल मैनेजर, पश्चिमी क्षेत्र ने कहा है कि हमारा लक्ष्य यात्रा को और अधिक सुलभ और आनंददायक बनाना है, यह सुनिश्चित करते हुए कि हर यात्रा यादगार हो। ये पैकेज सुविधा, आराम और सामर्थ्य प्रदान करने के लिए तैयार किए गए हैं, जिससे लोगों को श्रावण के दौरान भारत के सर्वश्रेष्ठ स्थानों को देखने का मौका मिले

। जैसे ही पैकेज www.irctctourism.com पर ऑनलाइन बिक्री के लिए उपलब्ध होते हैं। इन पैकेजों के लिए बाजार में बहुत रुचि रही है और नियमित ग्राहक इन पैकेजों पर नजर लगाए बैठे हैं।

भारत गौरव ट्रेनों में स्लीपर (नॉन-एसी), एसी ककक टियर और एसी कक टियर कोचों की मिश्रित संरचना है। इन ट्रेनों के बाहरी हिस्से में लोकप्रिय भारतीय स्मारक, मूर्तियां, स्थलचिह्न और नृत्य रूप आदि प्रदर्शित हैं, जिनकी कुल क्षमता लगभग 600-700 सीटों की है और इनमें इन्फोटेनमेंट सिस्टम और सीसीटीवी कैमरे लगे हैं और ट्रेन में ताजा भोजन तैयार करने के लिए एक अच्छी तरह से सुसज्जित पेंट्री कार है। IRCTC ने इस सर्व-समावेशी पैकेज को बहुत अच्छी तरह से डिजाइन किया है, पैकेज किफायती हैं जिसमें बसों द्वारा ऑफ-बोर्ड यात्रा और भ्रमण, होटलों में ठहरने, टूर गाइड, भोजन, यात्रा बीमा आदि जैसी सेवाएँ आरामदायक ट्रेन यात्रा और संबद्ध ऑनबोर्ड सेवाओं के साथ प्रदान की जाती हैं। ग्राहक उपलब्ध पैकेजों, मूल्य निर्धारण और बुकिंग प्रक्रियाओं के बारे में अधिक जानकारी के लिए आधिकारिक IRCTC वेबसाइट www.irctctourism.com पर जा सकते हैं या पश्चिम क्षेत्र मुंबई कार्यालय 8287931886 (व्हाट्सएप या एसएमएस) से संपर्क कर सकते हैं।

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर, सामान्य, मध्य रेल, सोलापुर, निम्नलिखित कार्य के लिए ख्याति प्राप्त, अनुभवी और लाईसेंसधारी विद्युत ठेकेदारों से रेलवे की ई प्रोक्यूरसेंट वेबसाइट www.ireps.gov.in पर ऑनलाइन ई-निविदा आमंत्रित करते है। **निविदा क्रः** सोला/वि/नि/2024/30R1. **कार्य का नामः** वाडी यार्ड को ए श्रेणी माल ढुलाई परीक्षण यार्ड में अपग्रेड करने के संबंध में कार्य का विद्युत सामान्य सेवा भाग। (पुनः आमंत्रण) **कार्य की लागत**: ₹1,17,77,433.48 **बोली प्रतिभूतिः** ₹2,08,900/-. **कार्य पूरा करने की अवधिः** 12 माह। **निविदा प्रस्ताव की वैधताः** 60 दिन। **वेबसाइट पर निविदा बंद करने की तिथि और समयः** दि. 23/06/2025 को 15.00 बजे। बोली प्रतिभूति राशि की रकम का भुगतान ई-पेमेंट द्वारा वेबसाइट www.ireps.gov.in पर करता है।

वरि.मं.वि.इं.(सामान्य) सोलापुर

खतरनाक व विस्फोटक सामान के साथ यात्रा करना दंडनीय अपराध है

Sai/SUR/49

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
आपूर्ति, स्थापना एवं विभिन्न अन्य कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) सोलापुर भारत के राष्ट्रपति के लिये और उनकी और से निम्नलिखित कार्यां के लिये ई-निविदये आमंत्रित करते है। **(1) निविदा क्र.: 06-2025-SrDENCo. कार्य का नाम** : Solapur Division Supply and Installation of GFL-78 nos. **अनुमानित लागत:** ₹ 12,15,69,552/-. **बयाना रक़म :** ₹ 7,57,900/-. **समापन की अवधी**: 60 Months. **अनुरक्षण की अवधी:** 60 Months. **(2) निविदा क्र.: 07-2025-SrDENCO. कार्य का नाम** : Balance work of RUBs for Provision of cover sheds, natural drains, extension of retaining wall and other misc. works under ADEN/T/SUR and ADEN/KLBG section. **अनुमानित लागत:** ₹ 22,06,75,626.85. **बयाना रक़म :** ₹ 12,53,400/-. **समापन की अवधी**: 12 Months. **अनुरक्षण की अवधी:** 12 Months. **(3) निविदा क्र.: 08-2025-SrDENCO. कार्य का नाम** : Balance work of RUBs for provision of natural drains, extension of retaining wall and other misc. works under ADEN/KWV and ADEN/PVR section. **अनुमानित लागत:** ₹ 20,38,48,220.21. **बयाना रक़म :** ₹ 11,69,300/-. **समापन की अवधी**: 12 Months. **अनुरक्षण की अवधी:** 12 Months. **(4) निविदा क्र.: 09-2025-SrDENCO. कार्य का नाम** : Balance work of RUBs for Provision of cover sheds, natural drains, extension of retaining wall and other misc. works under ADEN/LUR and ADEN/PVR section. **अनुमानित लागत:** ₹ 20,19,42,026.21. **बयाना रक़म :** ₹ 11,59,800/-. **समापन की अवधी**: 12 Months. **अनुरक्षण की अवधी:** 12 Months. **(5) निविदा क्र.: 10-2025-SrDENCO. कार्य का नाम** : Balance work of RUBs for Provision of cover sheds, natural drains, extension of retaining wall and other misc. works under ADEN/PVR section. **अनुमानित लागत:** ₹ 22,63,89,848.25 **बयाना रक़म :** ₹ 12,82,000/-. **समापन की अवधी:** 12 Months. **अनुरक्षण की अवधी:** 12 Months. **www.ireps.gov.in इस वेबसाइट पर टेंडर अपलोड करने कि अंतिम दिनांक और समय : 18/06/2025 को 15.00 बजे तक. www.ireps.gov.in इस वेबसाइट पर टेंडर खुलने का दिनांक और समय : 18/06/2025** को **15.30 बजे.** निविदाकारोंसे निवेदन हैं कि कोई बदलाव/शुद्धिपत्र(यदि हो) के लिए Website: **www.ireps.gov.in** पर टेंडर बंद होने की तारीख तक समय समय पर भेंट दे।

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य)
सोलापुर

खतरनाक व विस्फोटक सामान के साथ यात्रा करना दंडनीय अपराध है

Sai/SUR/48

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर, सामान्य, मध्य रेल, सोलापुर, निम्नलिखित कार्य के लिए ख्याति प्राप्त, अनुभवी और लाईसेंसधारी विद्युत ठेकेदारों से रेलवे की ई प्रोक्यूरमेंट वेबसाइट www.ireps.gov.in पर ऑनलाइन ई निविदा आमंत्रित करते है। **(1) निविदा क्रं.: सोला/वि/नि/2025/04. कार्य का नामः** सोलापुर डिवीजन के पंढरपुर स्टेशन पर 6 टाइप-II आवासीय क्वार्टरों के निर्माण के संबंध में विद्युत सामान्य सेवा भाग का कार्य। **कार्य की लागतः** ₹9,55,762.40. **बोली प्रतिभूतिः** ₹19,100/-. **कार्य पुरा करने की अवधि**: 12 माह। **निविदा प्रस्ताव की वैधताः** 60 दिन। **(2) निविदा क्रं.: सोला/वि/नि/2024/15R3. कार्य का नामः** लातूर में एप्रोच रोड, प्लेटफॉर्म चौड़ीकरण (400 मीटर x 5.5 मीटर), सर्कुलेटिंग एरिया का विकास (250 मीटर x 10 मीटर), एचएल प्लेटफॉर्म, गो-डाउन, हमाल कक्ष, सीजीएस कार्यालय कक्ष, एसएम कक्ष, रिले रूम, आईपीएस रूम, गुड्स पीएफ के लिए शेड, पिटलाइन के निर्माण के संबंध में विद्युत सामान्य भाग। (पुनर्निमंत्रण) **कार्य की लागतः** ₹ 92,50,212.67. **बोली प्रतिभूतिः** ₹ 1,85,000/-. **कार्य पुरा करने की अवधिः** 15 माह। **निविदा प्रस्ताव की वैधताः** 60 दिन। **वेबसाइट पर निविदा बंद करने की तिथि और समयः** दि. 21/06/2025 को 14.00 बजे। बोली प्रतिभूति राशि की रकम का भुगतान ई-पेमेंट द्वारा वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर करना है।

वरि.मं.वि.इं.(सामान्य) सोलापुर

खतरनाक व विस्फोटक सामान के साथ यात्रा करना दंडनीय अपराध है

Sai/SUR/47

पश्चिम मध्य रेल
ई निविदा सूचना – सिविल इंजीनियरिंग
संख्या डब्ल्यू/623/15 दिनांक 27.05.2025

भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल इंजीनियर समन्वय, पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा निम्नलिखित कार्यों के लिए खुली ई–निविदा आमंत्रित करते है। **टेण्डर संख्या– 108/2025, कार्य का विवरण–** माड़र्नजैशन एण्ड़ अप–कीपिंग ऑफ सेफ्टी रिलेटेड़ सिग्नलिंग गियरस एण्ड़ इलेक्ट्रोनिक्स आइटम्स इन प्रपोज्ड़ स्टोर रूम एट एस एण्ड टी डिपो इन सिनियर ड़ीईएन (ईस्ट) सेक्शन (04) नं., **अनुमानित लागत–** 21044709.52, **बयाना राशि–** 255200.00, **टेण्डर संख्या– 110/2025, कार्य का विवरण–** कोटा डिवीजनः प्रोविजन ऑफ इएल एण्ड़ आरईपीएल ऑफ इनड़ोर सिग्नलिंग गियरस ऑन एज–कम कंडिशन बेसिस फॉर इन्शुरिंग सेफ्टी ऑफ ट्रेनस एट गुरूला नार्थ एण्ड़ गुरूला स्टेशन, **अनुमानित लागत–** 4068482.20, **बयाना राशि–** 81400.00, **टेण्डर संख्या– 111/2025 आर, कार्य का विवरण–** कोटा डिवीजन एक्सटेंन्सन ऑफ इग्जिस्टिंग प्रोटेक्टिंव स्क्रीन ऑफ वेरियस आरओवीज इन इनटाइर कोटा डिवीजन (टोटल = 33 नं.) **अनुमानित लागत–** 16380476.68, **बयाना राशि–** 231900.00, **टेण्डर संख्या– 112/2025, कार्य का विवरण–** एड़ीईएन भरतपुर सेक्शन – टीएसआर (पी)– 48.486 कि.मी. वाय पीक्यूआरएस विद कॉन्ट्रैक्टरस पोर्टल 46.243 किमी एंड मेन्युअल 2.243 कि.मी. इनकुलिंडिंग सबसाइडरी वर्क विद बीसीएम., **अनुमानित लागत–** 135248398.22, **बयाना राशि–** 826300.00, **टेण्डर संख्या– 113/2025, कार्य का विवरण–** माड़र्नजैशन एंड अप–कीपिंग ऑफ सेफ्टी रिलेटेड सिग्नलिंग गियरस एंड इलेक्ट्रोनिक्स आइटम्स इन प्रपोज्ड़ स्टोर रूम एट एस एंड टी डिपो इन सिनियर डीईएन (नार्थ)/कोटा ओवर कोटा डिवीजन (05 नं.), **अनुमानित लागत–** 26265504.39, **बयाना राशि–** 281300.00, **टेण्डर संख्या– 114/2025, कार्य का विवरण–** माड़र्नजैशन एंड अप–कीपिंग ऑफ सेफ्टी रिलेटेड सिग्नलिंग गियरस एंड इलेक्ट्रोनिक्स आइटम्स इन प्रपोज्ड़ स्टोर रूम एट एस एंड टी डिपो इन सिनियर डीईएन (सेंट्रल)/कोटा ओवर कोटा डिवीजन (06 नं.), **अनुमानित लागत–** 31486215.12, **बयाना राशि–** 307400.00, **टेण्डर संख्या– 115/2025, कार्य का विवरण–** कोटा डिविजनः प्रोविजन ऑफ न्यू ओपीडी इन ऑफ डिविजनल रेवले हॉस्पिटल कोटा, **अनुमानित लागत–** 36019460.65, **बयाना राशि–** 330100.00, **टेण्डर संख्या– 116/2025, कार्य का विवरण–** रामगंजमंडी – भोपाल सेक्शन – टीआरएस (पी) – 35.234 कि.मी. विद 60 के जी रेलस ऑन सिंगल लाइन, **अनुमानित लागत–** 11698950.22, **बयाना राशि–** 208500.00, **टेण्डर संख्या– 117/2025, कार्य का विवरण–** लाखेरी – ऑपरेशन ऑफ प्रेशर फिल्टर फॉर फिल्टरिंग मेज रिवर वाटर एंड सप्लाई टू कॉलोनी एंड स्टेशन फॉर 24 मन्थस, **अनुमानित लागत–** 1320000.00, **बयाना राशि–** 26400.00, **उपरोक्त सभी निविदाओं में टेण्डर भरने की अंतिम तिथि एवं समय–** 16.06.2025 को 15:30 घंटे पर, पूर्ण विवरण वेबसाईट www.ireps.gov.in पर अपलोड की गई ई निविदा में तथा वरिष्ठ मंडल इंजीनियर समन्वय पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय की कार्यलेखा शाखा के नोटिस बोर्ड पर भी देखा जा सकता है।

(हस्ता.)
वरिष्ठ मंडल इंजीनियर, समन्वय, पश्चिम मध्य रेल, कोटा

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

गाड़ी नं. 12903/12904 गोल्डन टेम्पल मेल का टर्मिनल मुंबई सेंट्रल से बांद्रा टर्मिनस में अस्थायी रूप से परिवर्तित

गाड़ी नं. 12903 की समय सारिणी प्रभावी तिथि 18.08.2025 से 17.02.2026		स्टेशन	गाड़ी नं. 12904 की समय सारिणी प्रभावी तिथि 16.08.2025 से 15.02.2026	
प्रस्थान	आगमन	बांद्रा टर्मिनस	प्रस्थान	आगमन
18:45 बजे	-	---	-	23:55 बजे

दोनों दिशाओं में अन्य मध्यवर्ती स्टेशनों पर ठहराव के समय में कोई परिवर्तन नहीं

ठहराव और संयोजन के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्रीगण कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in का अवलोकन करें.

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
Like us on: facebook.com/WesternRly
Follow us on: X.com/WesternRly

PLEASE CARRY ORIGINAL ID PROOF FOR ALL RESERVED TICKETS

दिव्यांगों का सर्वेक्षण और प्रमाणपत्र वितरण विशेष मुहिम के तहत किया जाए : अतुल सावे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई , दिव्यांग व्यक्तियों के पास यदि अपंगता प्रमाणपत्र न हो, तो उन्हें सरकारी योजनाओं, विभिन्न रियायतों, शिक्षा, नौकरी और स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसे ध्यान में रखते हुए दिव्यांगों का सर्वेक्षण और प्रमाणपत्र वितरण हेतु विशेष मुहिम चलाई जानी चाहिए, ऐसे निर्देश दिव्यांग कल्याण मंत्री अतुल सावे ने दिए हैं।दिव्यांग कल्याण विभाग का पदभार संभालने के बाद मंत्री अतुल सावे ने विभाग के कार्यों की समीक्षा की। इस अवसर पर दिव्यांग कल्याण विभाग के आयुक्त प्रवीण पुरी, दिव्यांग कल्याण महामंडल के प्रबंध निदेशक प्रकाश थविल, उपसचिव सुनंदा घड्याळे और विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।मंत्री सावे ने कहा कि दिव्यांगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभाग द्वारा उन्हें स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे और उनके रोजगार हेतु एक स्वतंत्र नीति तैयार की जाएगी। दिव्यांगों के लिए स्वतंत्र विभाग शुरू करने वाला महाराष्ट्र पहला राज्य है। दिव्यांग लाभार्थियों की आर्थिक सहायता बढ़ाने को लेकर भी सरकार सकारात्मक है। उन्होंने यह भी बताया कि स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से दिव्यांग प्रमाणपत्र वितरण हेतु विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे।इस बैठक में दिव्यांग विद्यालयों में सुधार, रिक्त पदों की तत्काल भरती, योजनाओं की प्रभावी अमलबजावनी तथा महानगरपालिकाओं के माध्यम से चलाई जा रही दिव्यांगों की योजनाओं पर भी सकारात्मक चर्चा हुई।

बाढ़ की स्थिति को लेकर ठाणे जिले में व्यापक उपाय लागू ,प्रशासन अलर्ट :रोहन घुगे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , जून से सितंबर तक राज्य और जिलों में बाढ़ की स्थिति की संभावना है और इस वर्ष मानसून के समय से पहले आने के कारण पहली बारिश में अस्थायी बाढ़ की स्थिति देखी गई है। जिसके मद्देनजर जिलाधिकारी अशोक शिनगारे और जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे ने जिला प्रशासन को सतर्क रहने का आदेश दिया है और व्यापक उपाय लागू किए जा रहे हैं। जिला स्तरीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ दैनिक आधार पर बाढ़ की स्थिति की निगरानी कर रहा है। पंचायत स्तर पर तालुका स्तरीय प्रकोष्ठों को जिलाधिकारी कार्यालय, वागले सर्किल रोड नं. 22, जिला परिषद ठाणे में महामारी नियंत्रण प्रकोष्ठ के साथ नियमित संपर्क में रहने के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के लिए बड़ी आबादी वाले गांवों में 2 महिला और 2 पुरुष कर्मचारी, छोटे गांवों में 1 महिला और 1 पुरुष कर्मचारी 24७7 सेवा प्रदान करेंगे। इन दलों के पास दवाइयों का स्टॉक और तत्काल जांच के लिए आवश्यक उपकरण होंगे। पर्याप्त दवाइयों का स्टॉक और शुद्धिकरण सामग्री ग्राम पंचायत में टीसीएल पाउडर, मेडीक्लोर आदि जल शुद्धिकरण सामग्री उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए हैं। महामारी रोगों के प्रकोप को रोकने के लिए सभी आवश्यक दवाओं का स्टॉक उपलब्ध रखने के निर्देश। दैनिक रोगी सर्वेक्षण के लिए आशा और स्वास्थ्य कार्यकर्ता घर-घर जाकर बुखार, दस्त, सर्दी और पेचिश का सर्वेक्षण करेंगे और पाए गए रोगियों पर तत्काल उपचार और निवारक उपाय लागू करेंगे। गंभीर रोगियों को रेफर करने की व्यवस्था की गई।जहाँ बुखार के रोगी पाए जाते हैं, वहाँ से रक्त के नमूने एकत्र करके उनकी जाँच करें।चिकनगुनिया, डेंगू की आशंका वाले स्थानों पर रक्त के नमूने प्रयोगशाला में भेजे जाएंगे। घरों में 20% जल भंडारण का निरीक्षण कर लार्वा की मात्रा निर्धारित की जाएगी। मच्छरों के प्रजनन स्थलों पर कृमिनाशक का छिड़काव किया जाएगा।विद्यालयों, मंदिरों, मंगल कार्यालयों में चिकित्सा दलों द्वारा निरीक्षण एवं उपचार की व्यवस्था है। जो नागरिक पानी के कारण घर छोड़कर चले गए हैं ऐसे विस्थापितों के लिए स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही है। जल गुणवत्ता नियंत्रण के लिए जल संरक्षकों द्वारा जल शुद्धिकरण की प्रक्रिया, जल नमूनों को परीक्षण के लिए प्रयोगशाला में भेजना, स्वास्थ्य कार्यकताओं एवं सहायकों द्वारा दैनिक निगरानी, पाइप या वाल्व में लीकेज की तत्काल मरम्मत करने के निर्देश दिए गए हैं। गर्भवती माताओं की विशेष देखभाल के लिएसंभावित प्रसव तिथि को ध्यान में रखते हुए उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की सूची, जरूरत के अनुसार उन्हें स्वास्थ्य संस्थाओं में स्थानांतरित किया जाएगा। सर्पदंश और बिच्छू डंक उपचार व्यवस्था के लिए सभी प्राथमिक केंद्रों पर संबंधित दवाओं का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध कराया गया है। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे के मार्गदर्शन में इन सभी उपायों को योजनाबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है, और बाढ़ की स्थिति में जिला प्रशासन तैयार है, ऐसा प्रभारी जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश सुतार ने बताया है।

फास्ट ट्रैक

आपदा में राहत और बचाव कार्य के लिए NDRF व SDRFY की टीमें सतर्क

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई , महाराष्ट्र राज्य में आपदा की स्थिति में राहत व बचाव कार्य के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (NDRF) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (SDRF) की टीमें सतर्क हैं। वर्तमान में मुंबई शहर और उपनगरों में NDRF की तीन टीमें, पालघर में एक और नागपुर में दो टीमें तैनात की गई हैं। पुणे मुख्यालय पर दो टीमें रिजर्व रखी गई हैं। नागपुर और धुले में रऊफत्रः की दो-दो टीमें तैनात हैं, ऐसी जानकारी राज्य आपदा प्रबंधन नियंत्रण कक्ष द्वारा दी गई है।28 मई को मुंबई शहर में पेड़ गिरने से दो लोगों की मौत हुई। पालघर जिले में आकाशीय बिजली गिरने से एक और सातारा जिले में बंधारे में गिरने से एक व्यक्ति की मौत हुई। मुंबई उपनगर में पेड़ गिरने की अन्य घटना में दो लोग घायल हुए। पुणे जिले में आग की घटना में चार लोग घायल हुए। पशु हानिः जालना में 26, वर्धा व चंद्रपुर में एक-एक पशु की मृत्यु हुई। मुंबई के कालाचौकी क्षेत्र स्थित भारत आइस कंपनी में अमोनिया गैस का रिसाव हुआ था जिसे मुंबई महानगरपालिका व अग्निशमन दल की तत्परता से नियंत्रित कर लिया गया।

एमडी पाउडर के साथ युवक व मादक पदार्थ के साथ 3 महिलाएं गिरफ्तार

ठाणे ,पिछले तीन दिनों में ठाणे में क्राइम ब्रांच और एंटी नारकोटिक्स स्क्वॉड द्वारा बड़े पैमाने पर की गई कार्रवाई के बाद तीन महिलाओं को गांजा के साथ पकड़ा गया, और गुरुवार को 20 वर्षीय व्रज अरविंद रावल (20) को 13 ग्राम वजन के एमडी पाउडर के साथ गिरफ्तार किया है। एंटी नारकोटिक्स स्क्वॉड अधिकारी ने बताया कि पुलिस द्वारा जब्त एमडी की कीमत 2 लाख 60 हजार रुपये है।इस बीच, बार-बार हो रही घटनाओं से यह स्पष्ट है कि ठाणे ड्रग तस्करी का अड्डा बन गया है। तस्करी पर रोक लगाने वाली पुलिस को भनक देने के लिए महिलाओं का इस्तेमाल वितरक के रूप में किया जा रहा है। पुणे की दो महिलाओं के बाद, बीड की एक महिला को भी ठाणे पुलिस दस्ते ने गांजा के साथ गिरफ्तार किया है।पुलिस दस्ते को सूचना मिली थी कि ठाणे के वागले एस्टेट क्षेत्र के रामचंगर नगर कामगार अस्पताल रोड पर एक युवक एमडी बेचने के लिए लेकर आएगा। प्राप्त सूचना की पुष्टि करने के बाद, एंटी नारकोटिक्स स्क्वॉड के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राहुल मस्के के नेतृत्व में एक पुलिस दल ने मंगलवार रात करीब 8 बजे किसन नगर क्रमांक 2 निवासी व्रज रावल नामक युवक को संदिग्ध आचरण के कारण गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास एमडी पाउडर मिला। इस संबंध में वागले एस्टेट पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। एंटी नारकोटिक्स स्क्वॉड पुलिस द्वारा आगे की जांच की जा रही है।

कोर्ट मैरिज के बाद साले-साली ने जीजा पर किया हमला

पत्नी बोली-युवक को लाठी-डंडे और छुरी से हमला कर किया घायल

शाहजहांपुर, एक साल पहले कोर्ट मैरिज करने वाले युवक पर उसके साले और साली पर जानलेवा हमला करने का का आरोप लगा है। थाना सिंधौली क्षेत्र के बिलंदपुर गद्दीपुर निवासी साजिद बुधवार की रात को काम से घर लौट रहे थे। रास्ते में आरोपियों ने साजिद को घेर लिया। उन पर लाठी-डंडे और छुरी से हमला किया। हमले में साजिद गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें पहले सीएचसी ले जाया गया। बाद में राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। घायल की पत्नी ने बताया कि एक साल पहले उन्होंने साजिद से कोर्ट मैरिज की थी। इस शादी से उसके भाई और बहन नाराज थे। वे तभी से रंजिश मान रहे थे। आरोपी मूड़ा हारिस के रहने वाले हैं। सिंधौली थाना प्रभारी रविंद्र सिंह का कहना है कि मामला अभी उनके संज्ञान में नहीं है। वे जानकारी जुटा रहे हैं।

शिवसेना ने स्थानीय आमदार डॉ.बालाजी किणीकर के नेतृत्व में निःशुल्क सरकारी प्रमाणपत्र वितरण शिविर का आयोजन किया

तहसील अधिकारी और कर्मचारी जनता के सेवक हैं, सेवाभाव से कार्य करें,अन्यथा घर बैठ जाएं- डॉ बालाजी किणीकर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ.शिवसेना शहर अंबरनाथ ने स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे और धर्मवीर आनंद दिघे की स्मृति और प्रेरणा से शिवसेना प्रमुख उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के मार्गदर्शन में,स्थानीय विधायक डॉ.बालाजी किनीकर एवं तहसीलदार कार्यालय अंबरनाथ और उल्हासनगर की ओर से गुरुवार 29 मई को प्रातः 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक अंबरनाथ पश्चिम स्थित महात्मा गांधी विद्यालय में निःशुल्क सरकारी प्रमाण पत्र वितरण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में नागरिकों को निःशुल्क निवास प्रमाणपत्र, आय प्रमाणपत्र, वरिष्ठ नागरिक प्रमाणपत्र, नॉन क्रीमीलेयर प्रमाणपत्र आदि का स्थानीय विधायक डॉ.बालाजी किणीकर के हाथों वितरण किया गया। इस शिविर में सैंकड़ों की संख्या में लोगों ने अपने संबंधित दस्तावेजों को बनवाने और प्राप्त करने के लिए इस शिविर का लाभ लिया। शिविर में प्रवीण जोशी नाम के एक विकलांग व्यक्ति के तहसील कार्यालय अंबरनाथ में इनकम सर्टिफिकेट के लिए विगत दो माह से चक्कर लगाने की शिकायत पर पूर्व नगरसेवक सुभाष सालुंके और आमदार डॉ.बालाजी किणीकर ने तहसील कार्यालय के संबंधित अधिकारी की जमकर क्लास लगाई। डॉ.बालाजी किणीकर ने कहा कि आप सब जनता की सेवा के लिए हैं अगर सेवाभाव से कार्य नहीं करना है तो तहसील कार्यालय में ताला लगा दो। जनता की समस्याएं दूर नहीं हुई तो शिवसेना तहसील कार्यालय में आवाज उठाने में भी पीछे नहीं हटेगी। शिवसेना के युवा नेता विकास सोमेश्वर ने इस शिविर के विषय में बोलते हुए कहा कि यह शिविर आमदार डॉ.बालाजी किणीकर के नेतृत्व में विद्यालय जाने वाले बच्चों के आवश्यक दस्तावेजों और वरिष्ठ नागरिकों के साथ साथ अन्य सभी लोगों के लिए आवश्यक दस्तावेजों के लिए एक ही जगह पर उक्त शिविर का आयोजन किया गया जिससे लोगों को भरपूर लाभ मिला है। लोगों ने भारी संख्या में उपस्थित होकर इसका लाभ उठाया है। प्रमाणपत्र वितरण शिविर में स्थानीय आमदार डॉ.बालाजी किणीकर,नायब तहसीलदार प्रशांत अनारे,शिवसेना शहर प्रमुख श्रीनिवास वाल्मीकि, पूर्व नगरसेवक सुभाष सालुंके, पूर्व नगराध्यक्ष प्रज्ञा बनसोडे, संवाद फाउंडेशन प्रमुख सुवर्णा सालुंके, ज्येष्ठ शिवसैनिक विकास सोमेश्वर, युवासेना पश्चिम शहर अधिकारी राहुल सोमेश्वर, युवासेना सचिव आजिंक्य पाटिल, सुषमा रसाल, विनोद गायकवाड आदि नेता और कार्यकताओं के साथ सैकड़ों की संख्या में लाभार्थी आम नागरिक उपस्थित थे।

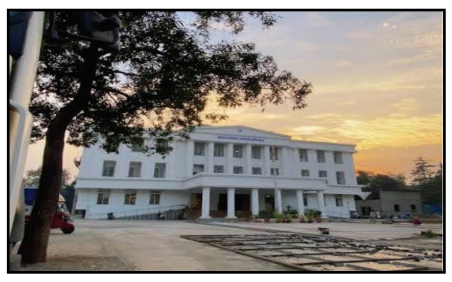

अंबरनाथ नपा मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड ने स्थानीय पत्रकारों से शहर के विकास और समस्याओं पर चर्चा की

वरिष्ठ पत्रकारों ने मुख्याधिकारी के समक्ष महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान देने और आवश्यक कदम उठाने का निवेदन किया।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ.अंबरनाथ नगरपालिका के मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड ने शहर के पत्रकारों से विकास कार्यों और समस्याओं पर चर्चा करने के लिए गुरुवार 29 मई दोपहर 2.30 बजे नगरपालिका के सभागार में एक बैठक का आयोजन किया।बैठक में उमाकांत गायकवाड ने सभी से सदिच्छा भेंट कर परिचय प्राप्त किया और शहर के आवश्यक मुद्दों पर चर्चा की। अंबरनाथ नगर परिषद के मुख्य अधिकारी उमाकांत गायकवाड़ के कार्यालय में एक विशेष बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक में अंबरनाथ टाइम्स के प्रधान संपादक कमलाकर सूर्यवंशी ने चव्हाण नाट्यगृह और शहर की अन्य अनेक समस्याओं पर खुलकर अपने विचार रखे। लोकमत के वरिष्ठ पत्रकार पंकज पाटिल ने अंबरनाथ में नपा द्वारा संचालित विवाहगृह की आवश्यकता पर बल दिया ताकि शहर के आर्थिक रूप से कमजोर लोग इसका लाभ उठा सकें। पत्रकार गणेश गायकवाड ने शहर के सार्वजनिक शौचालयों की कमी विशेषकर प्राचीन शिवमन्दिर परिसर के आसपास एक भी सार्वजनिक शौचालय न होने की समस्या को उठाया। पत्रकार सुनील अहीरे ने ठेकेदारों के भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया। बैठक में उपस्थित अन्य पत्रकारों ने शहर में चल रहे अपर्याप्त विकास कार्यों,नपा कर्मचारियों की हीलाहवाली,भ्रष्टाचार आदि अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर खुलकर चर्चा की और गंभीर सवाल उठाए। पत्रकारों ने मुख्याधिकारी को बताया कि अधिकारी अपने वरिष्ठों को गुमराह करके गलत जानकारी देते हैं।

मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड़ ने सभी पत्रकारों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उन्हें आश्वासन दिया कि वे इन बिंदुओं पर कार्य करेंगे। शहर के विकास कार्यों में पारदर्शिता से कार्य करने की प्रथा को आगे बढ़ाया जाएगा।

बैठक में वरिष्ठ पत्रकार कमलाकर सूर्यवंशी, यूसुफ शेख, पंकज पाटिल, निनाद करमरकर, श्रीकांत खाड़े, सीजर लॉरेंस, राजेंद्र सूर्यवंशी, अजय श्रीनिवास चिरीवेल्ला, सुनील अहीरे, पांडुरंग रानाडे, शत्रुघ्न उमाप, प्रफुल्ल केदारे, निसार खान, वामन उगले, अशोक नाइक, गणेश गायकवाड, परेश भानुशाली, नवाज वनु, दर्शन सोनावने आदि अनेक पत्रकार शामिल थे। बैठक में धन्यवाद प्रस्ताव वरिष्ठ पत्रकार यूसुफ शेख ने रखा।

जनसेवा ट्रस्ट द्वारा आशापुर और जे बी सिंह द्वारा टिकरी में शरबत वितरण

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रतापगढ़ ,जेठवारा के जनसेवा ट्रस्ट, आशापुर द्वारा भीषण गर्मी को देखते हुए ब्रह्मवीर बाबा धाम परिसर में ठंडा शरबत वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य तेज धूप और तपती गर्मी में राहगीरों को राहत पहुंचाना था। आते-जाते राहगीरों ने शरबत पीकर राहत की सांस ली और ट्रस्ट के इस प्रयास की सराहना की। इस सेवा कार्य मेंऱपत्रकार, समाजसेवीऱ विजय यादव समाजसेवी शिवबदन यादव, नौशाद खान,सोनू विश्वकर्मा, अरविंद विश्वकर्मा, शैलेन्द्र यादव, जगदीश सिंह, जगदीश विश्वकर्मा, प्रमोद मिश्रा, राज दुबे, कूटू दुबे , लल्ला शर्मा, लक्की यादव, दिलशाद खान, बब्बू सरोज, अतीक अहमद, शिवाकांत दुबे, नाजिम भाई,सहित कई कार्यकताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इसी तरह से मान्धाता के ग्राम सभा टिकरी में टिकरी चौराहे पर समाजसेवी जे बी सिंह द्वारा शरबत वितरण किया गया। इस अवसर पर मांधाता ब्लॉक के ग्राम सभा टिकरी में शरबत कार्यक्रम आयोजित किए गया। वरिष्ठ समाजसेवी जे बी सिंह, सपा महासचिव प्रदीप यादव, शिव प्रताप यादव, दिनेश प्रताप यादव ,प्रेम बीटीसी डॉक्टर त्रिभुवन सिंह, महेश यादव, विनय वर्मा ,चौधरी लाल शर्मा आदि ने राहगीरों को शरबत वितरण किया।

कोयला लेकर आतंक मचाने वाले आरोपी गिरफ्तार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , ठाणे में वरिष्ठ नागरिकों और व्यापारियों को कोयला लेकर आतंकित करने और जबरन चोरी करने और कारों में तोड़फोड़ करने वाले हिस्ट्रीशीटर आरोपी सनी उमेश टेलुरे (23) को हफ्ता निरोधक दस्ते ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि उसके खिलाफ 16 गंभीर अपराध दर्ज हैं। आरोपी टेलुरे को ठाणे कोर्ट ने आरोपी को 2 जून तक पुलिस हिरासत में रखने का आदेश दिया है। गिरफ्तार आरोपी सनी उमेश टेलुरे (23) सिद्धार्थ नगर, कोपरी कॉलोनी, फाटाका मार्केट, ठाणे निवासी पर कोपरी पुलिस स्टेशन की सीमा में किए गए अपराधों के लिए 14 मामले दर्ज हैं और कलवा पुलिस स्टेशन में दो मामले दर्ज हैं। शिकायतकर्ता एक वरिष्ठ नागरिक है और दोपहिया और चार पहिया वाहनों की सर्विसिंग सेंटर चलाता है। घटना के दिन सनी उमेश टेलुरे ने शिकायतकर्ता को सड़क पर रोक लिया और उसे धमकाते हुए कहा कि अगर वह सर्विस सेंटर चलाना चाहता है, तो उसे प्रति माह 3,000 रुपये का हफ्ता देना होगा। इस बीच, शिकायतकर्ता ने किस्त का भुगतान करने से इनकार कर दिया। आरोपी सनी टेलुरे ने उसके साथ मारपीट की और जबरन 2,100 रुपये छीन लिए। उन्होंने सड़क पर खड़े वाहनों और सामानों में भी तोड़फोड़ की और व्यापारियों और लोगों को धमकाया। शिकायतकर्ता वरिष्ठ नागरिक ने धमकी और मारपीट के संबंध में आरोपी सनी उमेश टेलुरे (23) के खिलाफ कोपरी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया। पुलिस के पीछे हटते ही आरोपी टेलुरे ने जवाबी फायरिंग की। इलाके में दहशत फैलाने के बाद भागे आरोपी टेलुरे की तलाश के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में पुलिस टीम गठित की गई। आरोपी सनी टेलुरे के मोबाइल फोन का तकनीकी विश्लेषण करने के बाद हफ्ता विरोधी दस्ते ने बुधवार 28 मई 2025 को आरोपी सनी टेलुरे को नासिक से गिरफ्तार कर लिया। अदालत ने उसे 2 जून तक पुलिस हिरासत में रखने का आदेश दिया।

एजेंसी दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी

जलालाबाद में दो संचालकों ने 4.70 लाख रुपए हड़पे, 4 पीड़ितों ने थाने में दी शिकायत

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

जलालाबाद, आईएचपी कंपनी के दो संचालकों पर धोखाधड़ी का आरोप लगा है। पीड़ितों ने गुरुवार दोपहर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। जलालाबाद निवासी अनीता शर्मा और धनी नगला की कल्पना दीक्षित ने बताया कि संचालक पूर्णिमा सक्सेना और साकिर हुसैन ने उन्हें आईएचपी कंपनी के प्रोडक्ट की एजेंसी दिलाने का झांसा दिया।

अनीता से 4 लाख और कल्पना से 50 हजार रुपए ले लिए। लेकिन न तो एजेंसी दी और न ही पैसे लौटाए। वाजिद अली ने आरोप लगाया कि कंपनी उनकी 1.20 लाख रुपए की मजदूरी नहीं दे रही है। अशफाक अली ने बताया कि उन्होंने कंप्यूटर ऑपरेटर का काम किया था, जिसकी 94 हजार रुपए की मजदूरी बाकी है। पुलिस ने मामले की जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। दूसरी तरफ, पूर्णिमा सक्सेना ने सभी आरोपों को बेबुनियाद बताया है। उनका कहना है कि वाजिद अली और फारुख अली ने फर्जी कागज तैयार कर उन्हें बदनाम कर रहे हैं।

कबाड़ में खड़े वाहनों में लगी आग

शाहजहांपुर में 15 चार पहिया वाहन जले, दो घंटे में आग पर काबू

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, रोजा थाना क्षेत्र में वारसी मोटर्स के सामने एक कबाड़ की दुकान के बाहर खड़े वाहनों में अचानक आग लग गई। वाहनों से पहले धुआं निकलना शुरू हुआ। फिर देखते ही देखते आग की लपटें उठने लगीं। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी। मुख्य अग्निशमन अधिकारी बीएन पटेल अपनी टीम के साथ दो दमकल गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए दो और दमकल गाड़ियां मंगवाईं। दमकल विभाग की टीम ने करीब दो घंटे की मेहनत के बाद आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक सभी 15 वाहन जलकर राख हो चुके थे। थाना प्रभारी राजीव कुमार ने घटना की पुष्टि की है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। अभी तक आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है।

वायुसेना ने किया 7 ग्रामीणों का सम्मान

गंगा एक्सप्रेसवे पर लड़ाकू विमान हुई थी लैंडिंग, सहयोग के लिए मिला प्रशस्ति पत्र

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, गंगा एक्सप्रेसवे स्थित हवाई पट्टी पर वायुसेना ने ग्रामीणों के सहयोग को सराहा है। पिछले माह यहां लड़ाकू विमानों की आपातकालीन लैंडिंग का अभ्यास हुआ था। इस दौरान स्थानीय लोगों ने वायुसेना को पूरा सहयोग दिया था। वायुसेना के ग्रुप कमांडर मुदित माथुर ने गुरुवार को ग्राम लहसना में एक विशेष बैठक आयोजित की।

उन्होंने अभ्यास के दौरान मिले सहयोग के लिए ग्राम पंचायत और ग्रामीण समुदाय का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान अवधेश यादव, अमर सिंह यादव, विजय बहादुर, रणजीत चौहान, देवेंद्र यादव सहित सात लोगों को सम्मानित किया गया। ग्रुप कमांडर ने कहा कि अभियान के दौरान ग्रामवासियों ने संयम और समझदारी का परिचय दिया। ग्रामीणों ने प्रशासन, पुलिस और वायुसेना के साथ मिलकर शांति व्यवस्था बनाए रखी। यह स्थानीय स्तर पर जन-जागरूकता और राष्ट्रीय कर्तव्य की भावना का उदाहरण है। ग्रामवासियों ने न केवल अभियान में सहयोग किया, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया कि किसी को कोई असुविधा न हो। वायुसेना ने भविष्य में भी इसी तरह के सहयोग की अपेक्षा जताई है।

खड़ी बस को ट्रक ने मारी टक्कर

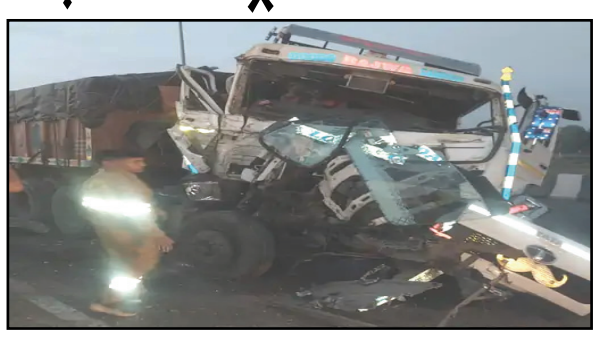

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, थाना रोजा क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। झुमका पुल के पास बरेली डीपो की बस का टायर फटने के कारण रोड किनारे खड़ी थी।

एक तेज रफ्तार ट्रक ने बस को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर में ट्रक चालक मनदीप सिंह केबिन में फंस गया। वह लखीमपुर के उचौलिया थाना क्षेत्र का रहने वाला था। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मशक्कत के बाद उन्हें बाहर निकाला। गंभीर हालत में उन्हें पहले राजकीय मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। वहां से बरेली रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। परिजन पहुंचे अस्पताल घटना के समय बस में कोई यात्री मौजूद नहीं था। टायर फटने के बाद सभी यात्री दूसरे वाहनों से अपनी मंजिल की ओर रवाना हो गए थे। बस के चालक राकेश कुमार और परिचालक सौरभ कुमार सक्सेना टायर की मरम्मत में जुटे थे। गनीमत रही कि उनको चोट नही आई। हादसे की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन अस्पताल पहुंच गए। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)
4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी
5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा
6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण (भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

इलॉन मस्क ने छोड़ा डोनाल्ड ट्रम्प का साथ

डीओजीई से दिया इस्तीफा, लिखा- मेरा टाइम पूरा हुआ, राष्ट्रपति के पसंदीदा बिल से हैं नाराज

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, टेस्ला के मालिक और अमेरिकी अरबपति इलॉन मस्क ने ट्रम्प प्रशासन छोड़ दिया है। उन्होंने भारतीय समय के मुताबिक गुरुवार सुबह 5.30 बजे सोशल मीडिया एक्स पर यह जानकारी दी। मस्क ने कहा कि स्पेशल गवर्नमेंट एम्प्लॉई के तौर पर मेरा समय पूरा हुआ। उन्होंने इस जिम्मेदारी के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प को धन्यवाद भी दिया। ट्रम्प ने मस्क को डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) का जिम्मा दिया था। जिसका काम सरकार की फिजूलखर्ची कम करना था। जानकारी के मुताबिक ट्रम्प ने राष्ट्रपति बनने के बाद डीओजीई प्रमुख के तौर पर मस्क की नियुक्ति 30 मई 2025 तक के लिए ही की थी। यानी जब मस्क ने इस्तीफा दिया, उसके एक दिन बाद ही उनका कार्यकाल खत्म हो रहा था। मस्क के इस्तीफे की स्पष्ट वजह सामने नहीं आई है, लेकिन वे उस बिल का विरोध कर

रहे थे जिसे ट्रम्प ने बिग ब्यूटीफुल बताया था। मस्क ने कहा था कि डीओजीई का मकसद खर्चों में कटौती करना है और यह बिल उसके खिलाफ है। मस्क ने डीओजीई छोड़ने से एक दिन पहले अमेरिकी टीवी चैनल सीबीएस को दिए इंटरव्यू में कहा - राजनीति में जितना करना था कर लिया। अब चंदा नहीं दूंगा। वॉशिंगटन पोस्ट को दिए इंटरव्यू में मस्क ने कहा था- फेडरल ब्यूरोक्रेसी की हालत जितनी सोची थी, उससे कहीं ज्यादा खराब है। ये दोनों बयान संकेत है कि मस्क राजनीति से दूरी बनाएंगे। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मस्क अब सरकारी भूमिका से हटकर फिर से टेस्ला और स्पेसएक्स जैसी अपनी कंपनियों पर ध्यान देने जा रहे हैं। ओपनएआई ने 22 मई को यूएई में एक बड़ा एआई डेटा सेंटर बनाने का कॉन्ट्रैक्ट जीता था। मस्क की कंपनी एक्सएआई ने भी सौदे में शामिल होने की कोशिश की थी, लेकिन वे नाकाम रहे। अपनी विरोधी कंपनी को कॉन्ट्रैक्ट मिलने के बाद मस्क ने ट्रम्प के सलाहकार डेविड सैक्स और बाकी अधिकारियों की निष्पक्षता पर सवाल उठाए थे। मस्क ने 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में ट्रम्प के लिए 250 मिलियन डॉलर खर्च किए थे। उन्होंने 2026 के मिडटर्म इलेक्शन से पहले ट्रम्प की टीम को 100 मिलियन डॉलर देने का वादा किया था, लेकिन अभी तक यह रकम नहीं दी गई, जिससे ट्रम्प के कई सहयोगी नाराज हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स ने 20 मार्च 2025 को अपनी रिपोर्ट में दावा किया कि मस्क को पेंटागन में चीन के साथ संभावित जंग को लेकर 21 मार्च को एक टॉप सीक्रेट ब्रीफिंग दी जाने वाली है। यह ब्रीफिंग द टैंक नाम के एक स्पेशल रूम में दी जाने वाली थी। यह खबर लीक होते ही ट्रम्प नाराज हो गए। उन्होंने इस खबर को फेक बताया। ट्रम्प ने कहा कि मस्क का चीन में कारोबार है। उन्हें किसी भी हाल में चीन से जुड़ी सीक्रेट जानकारी नहीं दी जाएगी। हालांकि मस्क 21 मार्च को पेंटागन गए, लेकिन वे द टैंक रूम में न जाकर रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के ऑफिस गए। कहा गया कि इस बैठक में चीन पर कोई चर्चा नहीं हुई, बल्कि डीओजीई को लेकर प्लान बने।

शरीफ बोले-भारत ने हमारे सोचने से पहले हमला किया था

पाकिस्तानी सेना तैयारी करती रह गई, भारत ने पहले ही ब्रह्मोस दाग दी

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने बुधवार को अजरबैजान के एक कार्यक्रम में कहा कि उनकी सेना भारतीय हमले से हैरान रह गई थी। शरीफ ने कहा कि उनकी सेना 10 मई को सुबह की नमाज के बाद हमला करने की तैयारी कर रही थी, लेकिन भारत ने उससे पहले ही ब्रह्मोस मिसाइल से रावलपिंडी एयरपोर्ट समेत पाकिस्तान के कई ठिकानों पर हमला कर दिया। रावलपिंडी स्थित नूर खान एयरबेस उन 11 मिलिट्री ठिकानों में से एक था, जिन्हें भारत ने निशाना बनाया था। पाकिस्तानी सेना के हेड ऑफिस से

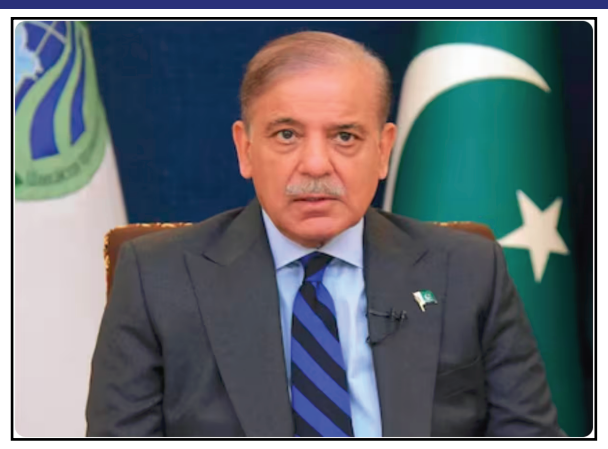

कुछ ही दूरी पर स्थित इस एयरबेस में लॉकहीड सी-130 हरक्यूलिस और इल्यूशिन आईएल-78 रिफ्यूलर जैसे मिलिट्री प्लेन मौजूद हैं। सैटेलाइट इमेजरी से पता चला कि कम से कम दो मिलिट्री प्लेन को नुकसान पहुंचा था। नूर खान के अलावा, भारत ने रफीकी, मुरीद, रहीम यार खान, सुक्कुर और चुनियन में पाकिस्तानी मिलिट्री ठिकानों पर हमला किया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने पाकिस्तानी वायुसेना के ठिकानों पर हमला करने के लिए सुखोई-30टडक जेट से करीब 15 ब्रह्मोस मिसाइलें दागीं थी, जिसकी पुष्टि सैटेलाइट इमेज से भी हुई थी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बुधवार को कहा कि वह भारत के साथ बातचीत करने को तैयार हैं।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों को मिलकर कश्मीर, पानी और आतंकवाद जैसे मुद्दों को हल करना चाहिए। शरीफ ने यह बात अजरबैजान के लाचिन में पाकिस्तान-तुर्की-अजरबैजान त्रिपक्षीय समिट में कही। यह एक हफ्ते में दूसरी बार है जब पाकिस्तानी पीएम ने भारत से बातचीत की इच्छा जताई है। इससे पहले उन्होंने सोमवार को ईरान दौरे पर भी भारत से बातचीत की इच्छा जताई थी। शरीफ 25 से 30 मई तक चार देशों के दौरे पर हैं।

इससे पहले वो तुर्किये और ईरान जा चुके हैं। आज वो ताजिकिस्तान पहुंचेंगे। यहां वो राजधानी दुशान्बे में ग्लेशियर्स पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भी शामिल होंगे। शरीफ ने अजरबैजान के लाचिन में कहा- हमें शांति के लिए एक साथ बैठकर बात करनी चाहिए। कुछ मुद्दों पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है और इन्हें बातचीत से हल करना होगा।

स्विट्जरलैंड में आल्प्स पर्वत का ग्लेशियर टूटने से लैंडस्लाइड

पास का गांव बर्फ और कीचड़ के सैलाब में दबा, 300 लोगों को निकाला

एजेंसी

स्विटजरलैंड, स्विट्जरलैंड में बुधवार को स्विस आल्प्स पर्वत का एक ग्लेशियर के टूटने से भयानक लैंडस्लाइड हुआ। ग्लेशियर से बर्फ, कीचड़ और चट्टानों का सैलाब उठ, जिससे लोत्सचेंटल घाटी के पास मौजूद ब्लैटन का अल्पाइन गांव बह गया। गांव का लगभग 90% हिस्सा बर्फ में दबकर तबाह हो गया है। रॉयटर्स के मुताबिक, इस महीने की शुरूआत में जियोलॉजिस्ट ने ग्लेशियर के टूटने की चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था कि ग्लेशियर का 15 लाख क्यूबिक मीटर हिस्सा टूट सकता है। इसके बाद इलाके से 300 लोगों और मवेशियों को सुरक्षित निकाल लिया गया था। एक लोकल अधिकारी ने मीडिया को बताया कि लैंडस्लाइड के बाद 64 साल का व्यक्ति लापता है। उसकी तलाश के लिए थर्मल कैमरों वाले ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहे हैं। अधिकारियों ने घाटी में जाने वाली मुख्य सड़क को बंद कर दिया है। साथ ही स्विस पर्यावरण मंत्री अल्बर्ट रोस्टी ने स्थिति के और भी खराब होने का खतरा जताया है। ड्रोन फुटेज में पूरा गांव कीचड़ और मलबे में दबा नजर आ रहा है। वहीं, लोन्जा नदी भी मलबे से भर गई, जिससे पानी के बहाव रुकने

और बाढ़ का खतरा पैदा हो गया। इलाके के मेयर मथियास बेलवाल्ड ने कहा- हमारा गांव खो गया है। गांव मलबे के नीचे है। हम इसे फिर से बनाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि ग्लेशियर के ऊपर की चट्टान का हिस्सा टूटने से लाखों घन मीटर मलबा नीचे घाटी में आ गिरा, जिसमें बर्फ भी शामिल थी। स्विट्जरलैंड में हाल के वर्षों में कई लैंडस्लाइड की घटनाएं हुई हैं, जो मुख्य रूप से आल्प्स क्षेत्र में ग्लेशियरों के पिघलने, पर्माफ्रॉस्ट के टूटने, और भारी बारिश के कारण हुई हैं। स्विट्जरलैंड को घरती पर जन्नत के तौर पर जानते है। यह मिडिल यूरोप में स्थित एक छोटा, पहाड़ी देश है। जो उत्तर में जर्मनी, पूर्व में ऑस्ट्रिया और लिकटेंस्टीन, दक्षिण में इटली, और पश्चिम में फ्रांस से घिरा है। इसका एरिया लगभग 41,285 वर्ग किलोमीटर है। स्विट्जरलैंड का 60% हिस्सा आल्प्स पर्वतों से ढका है, जिसमें मॉन्ट ब्लांक (4,810 मीटर) और जंगफ्राउ जैसे प्रसिद्ध माउंटेन शामिल हैं। देश में ग्लेशियर, झीलें (जैसे जिनेवा झील, ल्यूसर्न झील), और नदियां (जैसे रोन, राइन) भी हैं। हाल ही में हुए लैंडस्लाइड के खतरों को कम करने के लिए स्विट्जरलैंड ने ग्लेशियर और ढलानों की निगरानी के लिए सेंसर, ड्रोन, और सैटेलाइट का उपयोग शुरू किया है। साथ ही, 2050 तक नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य रखा गया है।

अमेरिका बड़े पैमाने पर चीनी छात्रों का वीजा रद्द करेगा

कम्युनिस्ट पार्टी से जुड़े होने का शक, विदेश मंत्री बोले- राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी

एजेंसी

वॉशिंगटन, अमेरिका ने चीनी छात्रों के वीजा को बड़े पैमाने पर रद्द करने की घोषणा की है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि विदेश मंत्रालय, गृह सुरक्षा मंत्रालय के साथ मिलकर यह काम करेगा। रुबियो ने बताया कि ऐसे चीनी छात्रों का वीजा रद्द किया जाएगा, जिनका चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) से संबंध है या जो टेक्निकल फिल्ड में पढ़ाई कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम भविष्य में चीन और हॉन्गकॉन्ग से आने

वाले वीजा आवेदनों की जांच को और सख्त करेंगे। अमेरिका का दावा है कि यह फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी है। सीसीपी छात्रों के जरिए संवेदनशील जानकारी हासिल कर सकता है। यह कदम अमेरिका में चीनी छात्रों की संख्या को कम करेगा। यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब अमेरिकी सरकार ने विदेशी छात्रों के लिए नए वीजा इंटरव्यू पर रोक लगा दी है। वहीं, जापानी सरकार ने देश के यूनिवर्सिटीज से अमेरिका से वापस आने वाले छात्रों को एडमिशन देने पर विचार करने को कहा है। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी चीन की एकमात्र सत्तारूढ़ पार्टी है और यह देश में शिक्षा, संस्कृति और समाज पर गहरा प्रभाव रखती है। अमेरिकी सरकार के मुताबिक कई चीनी छात्र, विशेष रूप से जो उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाते हैं, सीसीपी से जुड़े हो सकते हैं। चीनी विश्वविद्यालयों में सीसीपी की विचारधारा को बढ़ावा देने वाले कई कोर्स पढ़ाए जाते है। कुछ मामलों में, सीसीपी विदेश में पढ़ने वाले छात्रों पर नजर रखने के लिए चीनी छात्र संगठनों का उपयोग करती है। ट्रम्प प्रशासन का मानना है कि कुछ चीनी छात्र सीसीपी के लिए जासूसी या तकनीकी जानकारी चुराने का काम कर सकते हैं। खासकर उन क्षेत्रों में जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए संवेदनशील हैं, जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), क्वांटम कम्प्यूटिंग, और अन्य उन्नत तकनीकें।

43 आपराधिक मामलों को वापस लेने के कदम के खिलाफ एचसी का बड़ा फैसला

सिद्धारमैया सरकार के आदेश पर लगाई रोक

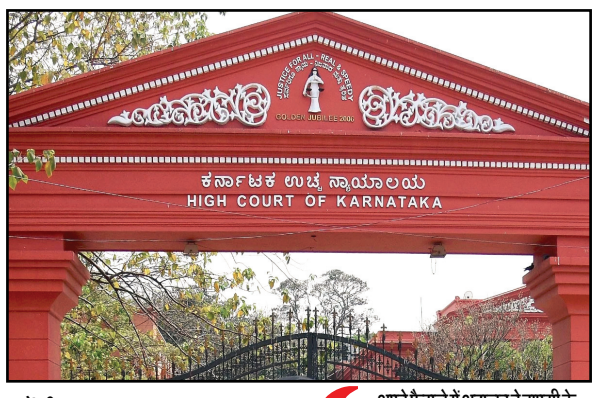

एजेंसी

कर्नाटक हाई कोर्ट ने राज्य सरकार के अक्टूबर 2024 के उस फैसले को खारिज कर दिया जिसमें 2022 के पुराने हुबली दंगों से जुड़े 43 आपराधिक मामले वापस लेने का आदेश दिया गया था। इन मामलों में विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ता, राजनेता और अन्य प्रभावशाली व्यक्ति शामिल थे। हाई कोर्ट ने फैसले को सरकार के लिए कानूनी झटका माना जा रहा है, जिसने 10 अक्टूबर को मामले वापस लेने का आदेश दिया था। इस फैसले को अधिवक्ता गिरीश भारद्वाज द्वारा दायर एक जनहित याचिका (पीआईएल) के माध्यम से चुनौती दी गई थी, जिन्होंने इस कदम की वैधता पर सवाल उठाया था। मुख्य न्यायाधीश एनवी अंजारिया और न्यायमूर्ति केवी अरविंद की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने जनहित याचिका स्वीकार कर ली और सरकार की कार्रवाई पर गंभीर चिंता व्यक्त की। अपने फैसले में अदालत ने वापसी के आदेश को गैरकानूनी घोषित किया और 15 अक्टूबर, 2024 की अनुवर्ती सरकारी अधिसूचना को भी रद्द कर दिया। यह फैसला कर्नाटक सरकार को इन हाई-प्रोफाइल आपराधिक मामलों को वापस लेने से रोकता है। विपक्षी भाजपा ने पहले हुबली दंगों के मामले को वापस लेने के कर्नाटक के कदम की आलोचना की थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि कांग्रेस सरकार मुस्लिम समुदाय को खुश कर रही है। विपक्ष के उपनेता अरविंद बेलाड ने फैसले की आलोचना करते हुए कहा, ह्ये वे लोग हैं जिन्होंने पुलिस स्टेशन और पुलिस पर हमला किया। उन्होंने पुलिस को जिंदा जलाने की कोशिश की। लेकिन कांग्रेस सरकार मुस्लिम समुदाय और अल्पसंख्यक वोटों को खुश करने के लिए ऐसा कर रही है। यह कांग्रेस के डीएनए में है।

> अपने फैसले में अदालत ने वापसी के आदेश को गैरकानूनी घोषित किया और 15 अक्टूबर, 2024 की अनुवर्ती सरकारी अधिसूचना को भी रद्द कर दिया। यह फैसला कर्नाटक सरकार को इन हाई-प्रोफाइल आपराधिक मामलों को वापस लेने से रोकता है। विपक्षी भाजपा ने पहले हुबली दंगों के मामले को वापस लेने के कर्नाटक के कदम की आलोचना की थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि कांग्रेस सरकार मुस्लिम समुदाय को खुश कर रही है।

एयरफोर्स चीफ बोले-एक भी डिफेंस प्रोजेक्ट समय पर पूरा नहीं

कॉन्ट्रैक्ट करते समय पता होता है, पूरा नहीं होगा; फिर ऐसे वादे क्यों करना

> एयर चीफ मार्शल ने कहा;- टाइमलाइन एक बड़ा मुद्दा है। समय से डिफेंस प्रोजेक्ट पूरा न होने की वजह से ऑपरेशनल तैयारी पर असर पड़ता है।

एजेंसी

नई दिल्ली, एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने गुरुवार को डिफेंस सिस्टम की खरीद और डिलीवरी में हो रही देरी पर कहा कि ऐसा एक भी प्रोजेक्ट नहीं है, जो समय पर पूरा हुआ हो। ये सोचने वाली बात है कि हम ऐसा वादा क्यों करते हैं, जिसे पूरा ही नहीं किया जा सकता। कई बार कॉन्ट्रैक्ट साइन करते समय ही पता होता है कि ये समय पर नहीं होगा, फिर भी साइन कर देते हैं, जिससे पूरा सिस्टम खराब हो जाता है। इससे पहले 8 जनवरी को भी एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने

तेजस लड़ाकू विमानों की डिलीवरी में हो रही देरी को लेकर चिंता जाहिर की थी। उन्होंने कहा था कि 40 जेट अभी तक फोर्स को नहीं मिले हैं। जबकि चीन जैसे देश अपनी ताकत बढ़ा रहे हैं। तेजस, एएमसीए और एमके2 की डिलीवरी भी लेट है एयर चीफ ने बताया कि फरवरी 2021 में एचएएल के साथ तेजस एमके1ए फाइटर जेट के लिए 48,000 करोड़ का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया गया था। डिलीवरी मार्च 2024 से शुरू होनी थी, लेकिन आज तक एक भी विमान नहीं आया। तेजस एमके2 का प्रोटोटाइप भी अभी तक तैयार नहीं हुआ है। एडवांस्ड स्टेल्थ फाइटर एएमसीए का भी अभी तक कोई प्रोटोटाइप नहीं है। आज की जरूरत आज ही पूरी करनी होगी एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने कहा कि हमें आज के लिए तैयार रहना होगा, तभी भविष्य के लिए भी तैयार हो सकेंगे। आने वाले 10 साल में इंडस्ट्री से ज्यादा आउटपुट मिलेगा, लेकिन जो जरूरत आज है, वो आज पूरी होनी चाहिए। हम सिर्फ भारत में मैन्युफैक्चरिंग के बारे में बात नहीं कर सकते। हमें डिजाइनिंग के बारे में भी बात करनी होगी। हमें सेना और इंडस्ट्री के बीच भरोसे की जरूरत है। हमें बहुत खुलापन दिखाने की जरूरत है। एक बार जब हम किसी चीज के लिए प्रतिबद्ध हो जाते हैं, तो हमें उसे पूरा करना चाहिए। एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने कहा कि युद्ध के तौर-तरीके बदल रहे हैं। हर दिन, नई टेक्नालॉजी आ रही है। ऑपरेशन सिंदूर ने हमें ये बताया कि हम किस दिशा में जा रहे हैं और भविष्य में हमें क्या चाहिए। इसलिए हमें बहुत काम करने की जरूरत है, तभी हम भविष्य में भी अपने मकसद को हासिल करने में सक्षम होंगे।

तेलंगाना के अधिकारी को एसीबी ने 25,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा

एजेंसी

तेलंगाना के हैदराबाद में एक राजस्व निरीक्षक (आरआई) ने कथित तौर पर एक व्यक्ति से पारिवारिक प्रमाण पत्र जारी करने के लिए 1 लाख रुपये की मांग की। पीड़ित की शिकायत के आधार पर, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने छापा मारा और मुशीराबाद में तहसीलदार के कार्यालय में भूपाल महेश, आरआई को आंशिक भुगतान के रूप में 25,000 रुपये लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। मामले की जांच अभी चल रही है और आरोपी को हैदराबाद के नामपल्ली में स्थित हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन सत्र न्यायालय में विशेष पुलिस स्थापना (एसपीई) और एसीबी मामलों के विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश होना है। इसी तरह के एक मामले में 11 मई, 2025 को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने हैदराबाद के आयकर आयुक्त (छूट) जीवन लाल लाविडिया और चार अन्य को 70 लाख रुपये की रिश्वत के मामले में गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारियाँ एक जालसाजी अभियान के बाद हुईं,

जिसमें एक बिचौलिए को कर अपील का निपटारा करने के लिए लाविडिया की ओर से रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया। मुंबई, हैदराबाद, खम्मम (तेलंगाना में), विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश में) और नई दिल्ली में 18 स्थानों पर एक साथ की गई तलाशी में 69 लाख रुपये नकद और आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए।

भारत बोला-पाकिस्तान से सिर्फ पीओके खाली करने पर बात होगी

> इस मामले में पीएम मोदी का भी यही कहना है कि आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते, आतंक और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते, और पानी और खून एक साथ नहीं बह सकता।

हमारा स्टैंड क्लियर आतंकवाद और बातचीत साथ नहीं हो सकती

एजेंसी

नई दिल्ली, भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को भारत-पाकिस्तान तनाव, अमेरिकी टैरिफ और वीजा और बांग्लादेश समेत कई मुद्दे पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। पाकिस्तान को लेकर उन्होंने कहा कि हमारा रवैया साफ है कि आतंकवाद और बातचीत साथ नहीं चल सकती। भारत ने कुछ साल पहले आतंकियों की एक लिस्ट पाकिस्तान को सौंपी थी। उन सभी आतंकियों को हमारे हवाले करे। पीओके पर उन्होंने अवैध कब्जा कर रखा है। हम इस पर से पाकिस्तान के कब्जा हटाने के बारे में बात करेंगे। पाकिस्तान में आतंकियों के सम्मान के सवाल पर उन्होंने कहा कि वहां आतंकियों को माला पहनाना,

उनकी सराहना करना नई बात नहीं है। पाकिस्तान आतंकवाद का ग्लोबल सेंटर है यह दुनिया भी समझती है। अगर पाकिस्तान में आतंकी खुले मंच से भारत विरोधी बयान दे रहे हैं तो इसमें हैरानी की कोई बात नहीं है। रणधीर जायसवाल ने कहा- जहां तक पाकिस्तान के साथ हमारे संबंधों का सवाल है, हमारा रुख साफ है। कोई भी संबंध द्विपक्षीय होना चाहिए। हम दोहराना चाहेंगे कि आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते। जहां तक सिंधु जल संधि का सवाल है, यह तब तक स्थगित रहेगी जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को अपना समर्थन देना बंद नहीं कर देता। इस मामले में पीएम मोदी का भी यही कहना है कि आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते, आतंक और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते, और पानी और खून एक साथ नहीं बह सकता। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ हाल में तुर्किये, ईरान, अजरबैजान और ताजिकिस्तान के दौरान पर पहुंचे हैं। इस दौरान उन्होंने ईरान और अजरबैजान में भारत के साथ बातचीत की इच्छा जताई। शरीफ ने अजरबैजान में कहा कि दोनों देशों को मिलकर कश्मीर, पानी और आतंकवाद जैसे मुद्दों को हल करना चाहिए। इससे पहले वो ईरान में भी भारत के साथ बातचीत करने के बारे में कह चुके हैं। बुधवार को ईरान से तीन भारतीयों के लापता होने की खबर आई थी। इस पर रणधीर जायसवाल ने कहा कि इस बात को हमारे दूतावास ने वहां पर ईरानी सरकार के सामने रखा है और हर तरह का सहयोग मांगा है।

संक्षेप

युवक की संदिग्ध मौत, पेड़ से लटकी मिली डेडबॉडी

घर से बाजार के लिए बोलकर था निकला, जमीन से कुछइंच ऊपर था पैर

सुलतानपुर, चांदा कोतवाली क्षेत्र में एक युवक की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। नौगरही पालना पटी गांव में गुरुवार को एक बाग में पेड़ से लटका शव मिला। मृतक की पहचान लाला यादव (26) के रूप में हुई है। लाला यादव चांदा बाजार जाने की बात कहकर घर से निकले थे। देर रात तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उनकी तलाश की। गुरुवार को उनका शव गांव के एक बाग में पेड़ से लटका मिला। शव का पैर जमीन से मात्र कुछ इंच ऊपर था, जिससे स्थानीय लोगों ने हत्या की आशंका जताई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सीओ लंभुआ अब्दुस सलाम ने बताया कि मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही चल पाएगा। मृतक तीन भाइयों में सबसे छोटा था। उनका एक बड़ा भाई तीन-चार साल पहले बिजली का करंट लगने से मृत्यु हो गई थी। दूसरा भाई अपनी ससुराल में रहता है। मृतक की एक ढाई साल की बच्ची भी है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की विधिक कार्रवाई में जुटी है।

ट्रैक्टर की टक्कर से दो चचेरे भाइयों की मौत

बांदा में शादी समारोह में खाना बनाकर लौटते समय हुआ हादसा, 3 घायल

बांदा, फतेहपुर के बिंदकी थाना क्षेत्र के ग्राम टिकरी मनौती में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। पैलानी कस्बे में एक शादी समारोह में खाना बनाने गए दो चचेरे भाइयों की ट्रैक्टर से टक्कर में मौत हो गई। 37 वर्षीय शशिकांत शुक्ला और 30 वर्षीय अंशू शुक्ला अपने तीन साथियों के साथ कार से वापस लौट रहे थे। चिल्ला थाना क्षेत्र के ग्राम पलरा के पास ईंटों से भरे ट्रैक्टर से उनकी कार की टक्कर हो गई। हादसे में शशिकांत की मौके पर ही मौत हो गई। कार में सवार अन्य लोगों में 48 वर्षीय छोटेलाल पटेल, 47 वर्षीय बैलारी कुमार और 28 वर्षीय शनि गंभीर रूप से घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल अंशू को कानपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी भी मौत हो गई। शशिकांत अपने पिता शिवकरन के चार बेटों में सबसे बड़े थे।

उत्पीड़न से परेशान युवक ने दी जान

पेड़ से लटका मिला शव, गांव का एक व्यक्ति कई दिनों से कर रहा था प्रताड़ित

अमरोहा, बछरायूं थाना क्षेत्र के गांव मलेशिया निवासी भूपेंद्र ने आत्महत्या कर ली। उनके भाई पवन ने बताया कि गांव का एक युवक भूपेंद्र को परेशान कर रहा था। इसी कारण उन्होंने भूपेंद्र को गजरौला थाना क्षेत्र के गांव खाद गुर्जर में अपनी बहन गीता के घर भेज दिया था। भूपेंद्र ने सुसाइड कर लिया। स्थानीय लोगों ने पेड़ पर शव लटका देखा। उन्होंने तुरंत गजरौला थाना पुलिस को सूचित किया।

आसान शिकार को निशाना बनाने वाला गैंग गिरफ्तार

प्रयागराज में दो शातिर लुटेरे पकड़े गए, 77 हजार रुपए बरामद

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, घूरपुर पुलिस और यमुनानगर एसओजी टीम ने लूट की वारदातों को अंजाम देने वाले गैंग का पदार्फाश किया है। पुलिस ने नैनी के बसवार के नया पुरवा अंडरपास के पास से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पकड़े गए आरोपियों में कानपुर के कल्याणपुर के श्रीपत सिंह उर्फ कुंदन सिंह और नैनी के मोहब्बतगंज के सोहन लाल निषाद शामिल हैं। आरोपियों के पास से 77,500 रुपए नकद बरामद किए गए हैं। गैंग का एक अन्य सदस्य दीपेंद्र उर्फ रोहित ने कानपुर में आत्मसमर्पण कर दिया है। एसीपी कौंधियारा विवेक यादव ने बताया कि श्रीपत और दीपेंद्र शातिर अपराधी हैं। सोहनलाल इन अपराधियों को अपने घर में शरण देता था। लूट की योजनाएं भी उसी के घर पर बनाई जाती थीं। गैंग ने मई माह में कई वारदातों को अंजाम दिया। 5 मई को औद्योगिक क्षेत्र में राजा राम श्रीवास्तव से एक लाख रुपए लूटे। 11 मई को वाराणसी के शिवपुर में एक महिला की सोने की चेन छीनी। 13 मई को घूरपुर में बैंक से निकले 40 हजार रुपए लूटे। 17 मई को नैनी में एक महिला की सोने की चेन लूट ली। पुलिस अब आत्मसमर्पण करने वाले आरोपी दीपेंद्र को रिमांड पर लेकर पूछताछ करने की कोशिश कर रही है। इस गिरफ्तारी से क्षेत्र में हो रही लूट की घटनाओं का खुलासा हुआ है।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर जनसत्ता दल का जश्न

प्रयागराज में तिरंगा यात्रा निकाली, हजारों लोगों ने लिया हिस्सा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर प्रयागराज में तिरंगा शोभा यात्रा निकाली। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रघुराज प्रताप सिंह के मार्गदर्शन और महानगर अध्यक्ष एस.पी. सिंह के नेतृत्व में यह यात्रा आयोजित की गई। शोभा यात्रा भदरी कोठी, सिविल लाइंस से शुरू हुई।

यह प्रमुख मार्गों से होते हुए सुभाष चौराहा पर समाप्त हुई। हजारों की संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और नागरिक शामिल हुए। महिलाओं ने यात्रा का पुष्प वर्षा से स्वागत किया। पूर्व सांसद और प्रधान राष्ट्रीय महासचिव शैलेंद्र कुमार ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने बिना नुकसान के दुश्मन को मात दी। महानगर अध्यक्ष एस.पी. सिंह ने ब्रह्मोस मिसाइल की क्षमता की सराहना की। उन्होंने कहा कि इसके निर्यात से भारत का अंतरराष्ट्रीय प्रभाव बढ़ेगा। प्रधान महासचिव वी.के. सिंह राजू ने एस-400 प्रणाली की प्रभावशीलता पर चर्चा की। युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष संजय सिंह चौहान ने युवाओं के लिए सेना में रोजगार के अवसर बढ़ाने की मांग की। कार्यक्रम में व्यापार प्रकोष्ठ अध्यक्ष संदीप केशरवानी और किसान प्रकोष्ठ अध्यक्ष कृष्ण राज सिंह राणा सहित कई नेता मौजूद रहे।

जान जोखिम में डालकर स्टंट

33 हजार वोल्ट की लाइन के खंभे पर युवक ने किया चिनअप, 40 फीट थी उंचाई

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, एक युवक ने अपनी जान जोखिम में डालकर खतरनाक स्टंट किया। मुंशीगंज थाना क्षेत्र के सरैया गांव में एक युवक 33 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन के खंभे पर चढ़ गया। जमीन से करीब 40 फीट की ऊंचाई पर उसने चिनअप किया। युवक ने इस खतरनाक स्टंट का वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आ गई। मुंशीगंज थाना प्रभारी शिवकांत त्रिपाठी ने बताया कि अज्ञात युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। युवक की पहचान में जुटी पुलिस पुलिस के अनुसार, इस तरह का स्टंट करना जानलेवा साबित हो सकता था। अगर युवक का हाथ छूट जाता तो उसकी मौत निश्चित थी। पुलिस युवक की पहचान करने में जुटी है। मामले में कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अमेठी में युवाओं द्वारा सोशल मीडिया पर वायरल होने के लिए इस तरह के खतरनाक स्टंट करने के मामले बढ़ते जा रहे हैं।

सर्विस पिस्टल से चली गोली दारोगा के लगी

मैगजीन निकालते समय फायर, दीवान के पास जमा करने गए थे हथियार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, कोतवाली नगर में गुरुवार दोपहर एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना सामने आई। एसआई जगदीश सिंह छुट्टी लेकर घर जाने से पहले अपनी सर्विस पिस्टल दीवान के पास जमा करने गए थे।

इसी दौरान दीवान द्वारा मैगजीन निकालते समय अचानक रिवॉल्वर से फायर हो गया। गोली दीवार से टकराकर एसआई जगदीश की जांघ में जा लगी। फायर की आवाज सुनते ही कोतवाली में मौजूद अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंच गए। घायल एसआई को तत्काल राजकीय मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। डॉक्टरों ने उनका इलाज किया और वर्तमान में उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने घटना की जानकारी लेते हुए एसआई जगदीश से फोन पर बात कर उनका हाल-चाल जाना। उन्होंने बताया कि घटना की गहन जांच राजपत्रित अधिकारी द्वारा की जा रही है। एसआई जगदीश सिंह पहले भी नगर क्षेत्र की विभिन्न पुलिस चौकियों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं और वर्तमान में कोतवाली नगर में तैनात हैं।

सड़क निर्माण में अनियमित्ता का आरोप

जिला पंचायत सदस्य पर एफआईआर, उच्चस्तरीय जांच की मांग

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी, तिलोई विधानसभा क्षेत्र में नैनखेरा से सेमरौता मार्ग का निर्माण कार्य चल रहा है। इस सड़क निर्माण की लागत 24 करोड़ रुपये है। स्थानीय लोगों ने जिला पंचायत सदस्य राजेन्द्र भारती को सड़क की खराब गुणवत्ता की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ठेकेदार द्वारा हाल ही में बनाई गई सड़क परत-दर-परत उखड़ रही है। राजेन्द्र भारती ने मौके का निरीक्षण किया और विभागीय कर्मचारियों से फोन पर शिकायत की। वीडियो भेजने के बाद कर्मचारियों ने उन्हें एफआईआर की धमकी दे दी। फर्म के साइड इंजीनियर नीरज ने जिला पंचायत सदस्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी। इतना ही नहीं, ठेकेदार और इंजीनियर ने राजेन्द्र भारती को जान से मारने की धमकी भी दी। राजेन्द्र भारती ने शासन-प्रशासन से मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था और फर्जी एफआईआर को वापस लेने की मांग की है। उन्होंने कहा कि अगर उनके साथ कोई अप्रिय घटना होती है तो इसके लिए सड़क के ठेकेदार, इंजीनियर और पीडब्लूडी विभाग के कर्मचारी जिम्मेदार होंगे।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए विशेष अभियान

अमेठी में महिला थाना पुलिस ने दी जानकारी, एंटीरोमियो टीम ने चलाया चेकिंग अभियान

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर पुलिस ने विशेष अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन में मिशन शक्ति अभियान का आयोजन किया गया।

महिला थाना पुलिस ने कस्बा अमेठी में महिलाओं और छात्राओं को साइबर क्राइम से बचाव के तरीके बताए। उन्हें विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई।

इनमें साइबर हेल्पलाइन (1930), वीमेन पावर लाइन (1090), महिला हेल्प लाइन (181), एम्बुलेंस सेवा (108), मुख्यमंत्री हेल्पलाइन (1076), पुलिस आपातकालीन सेवा (112), चाइल्ड लाइन (1098) और स्वास्थ्य सेवा (102) शामिल हैं। एंटीरोमियो टीम ने स्कूल-कॉलेज के आस-पास विशेष निगरानी की। टीम ने महिला छात्रावास और चिह्नित हॉटस्पॉट पर भी नजर रखी। छेड़छाड़ और महिला उत्पीड़न रोकने के लिए संदिग्धों की चेकिंग की गई। अपर पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिंह ने इस अभियान का पर्यवेक्षण किया। पुलिस ने महिलाओं को थानों में स्थापित महिला हेल्प डेस्क के बारे में भी बताया।

साथ ही महिला सशक्तिकरण से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें जागरूक किया।

ट्रेन से अपहरण होकर जा रहे नाबालिग को छुड़ाया

हथियार बंद बदमाशों ने किया था बच्चे का अपहरण, अलीगढ़ स्टेशन पर आरपीएफ ने सकुशल किया बरामद

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़, जंक्शन में रेलवे सुरक्षा बल ने एक नाबालिग बच्चे को ट्रेन से बरामद किया है। कुछ अपराधी बच्चे का अपहरण करके ब्रह्मपुत्र मेल से उसे बिहार से दिल्ली लेकर जा रहे थे। आरपीएफ को इसकी सूचना मिली थी, जिसके बाद अलीगढ़ में टीमें एलर्ट हो गई थी। जैसे ही ट्रेन अलीगढ़ जंक्शन पर पहुंची, आरपीएफ की टीमें एलर्ट हो गई और उन्होंने सभी डिब्बों में नाबालिग की खोज शुरू की। जिसके बाद उन्हें जरनल डिब्बे में बताए हुए हुलिए के अनुसार एक नाबालिग बालक बरामद हुआ। जिसके बाद टीम उसे सुरक्षित अपने साथ ले आई है। अलीगढ़ आरपीएफ को प्रयागराज से सूचना मिली थी कि ब्रह्मपुत्र मेल के जरिए एक 15 साल के नाबालिग बच्चे ले जाया जा रहा है। बच्चे का नाम विकास कुमार है। जिसके बाद टीम एलर्ट हो गई थी। एसआई उमेश चंद्र जेम्स और कांस्टेबल जुगेंद्र सिंह ने बच्चे को गार्ड से तीसरे जरनल डिब्बे से बरामद किया गया। बच्चे ने अपना नाम विकास राज पुत्र बबलू सिंह निवासी गांव चोरा गोपालपुर, थाना बहीटा जिला पटना बिहार बताया है। आरपीएफ के पास आने के बाद बच्चे ने पुलिस को बताया कि उसे दो लोग बिहार से लेकर आए थे। दोनों आरोपियों के पास हथियार थे और वह उसे जबरन दिल्ली लेकर जा रहे थे। रास्ते में उसने पेशाब जाने की बात कही और टॉयलेट में घुस गया। इसके बाद उन्हें चकमा देकर दूसरे डिब्बे में आ गया। दूसरे डिब्बे में आने के बाद उसने यात्रियों की मदद से अपने परिवार को सूचना दी थी। बच्चे की सूचना आने के बाद परिवार के लोगों ने बहीटा थाने में शिकायत की, जिसके बाद रेलवे तक यह मैसेज पहुंचा था। अलीगढ़ में टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया है। आरपीएफ पोस्ट कमांडर इंस्पेक्टर अमित सिंह ने बताया कि बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया गया है। बिहार पुलिस को भी इसकी सूचना दे दी गई है। बच्चे के परिवार के लोग और बिहार पुलिस बच्चे को लेने आ रही है। उन्होंने बताया कि बच्चा अभी थाने में ही है और उसे चाइल्ड लाइन के सुपुर्द कर दिया जाएगा।

13 ब्लॉकों में आयोजित हुआ महिला सशक्तिकरण सम्मेलन

पूर्व जिलाध्यक्ष बोले–अहिल्याबाई ने 12 हजार से अधिक तीर्थस्थलों का कराया जीर्णोद्धार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिले के 13 ब्लॉको में महिला सशक्तिकरण सम्मेलन आयोजित हुए। दूबेपुर विकास खंड सभागार में आयोजित मुख्य कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लॉक प्रमुख शिल्पा सिंह ने की। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष करुणा शंकर द्विवेदी ने मुख्य अतिथि के रूप में अहिल्याबाई के योगदान को याद किया। उन्होंने बताया कि अहिल्याबाई ने काशी, मथुरा, सोमनाथ से लेकर रामेश्वरम तक 12 हजार से अधिक तीर्थस्थलों का जीर्णोद्धार कराया। कार्यक्रम के संयोजक और मीडिया प्रमुख विजय रघुवंशी ने अहिल्याबाई को दूरदर्शी प्रशासिका बताया। महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रेखा निषाद ने उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। उपायुक्त मनरेगा श्री गोस्वामी ने केंद्र व प्रदेश सरकार की महिला सशक्तिकरण योजनाओं की जानकारी दी। खंड विकास अधिकारी दिव्या सिंह के नेतृत्व में सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम का संचालन पूर्व मंडल अध्यक्ष सतीश सिंह ने किया। अन्य विकास खंडों में भी कार्यक्रम आयोजित हुए। कादीपुर और अखंडनगर में विधायक राजेश गौतम, दोस्तपुर में विधायक राजप्रसाद उपाध्याय, जयसिंहपुर में सुमन सिंह और बल्दीराय में पूर्व जिलाध्यक्ष जगजीत सिंह की उपस्थिति रही।

ठगी के शिकार लोगों को राहत

साइबर सेल ने 25 महीने में 50 लोगों के 75 लाख रुपए कराए वापस

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, साइबर ठगी के शिकार हुए लोगों को राहत मिल रही है। जिले की साइबर सेल ने पिछले 25 महीने में 50 पीड़ितों के 75 लाख रुपए वापस कराए हैं। साइबर ठगी के मामलों में लोगों के मोबाइल पर ओटीपी या फर्जी लिंक के जरिए उनकी गाढ़ी कमाई के पैसे खातों से गायब हो जाते थे। शिकायत मिलते ही साइबर थाना एक्टिव हो जाता था। साइबर सेल की टीम हाईटेक सॉफ्टवेयर की मदद से उन खातों की पहचान करती है, जिनमें ठगी के पैसे ट्रांसफर किए गए हैं। टीम संबंधित थाने में शिकायत कर इन खातों को फ्रीज करवाती है। साइबर सेल का जताया आभार इसके बाद कानूनी प्रक्रिया पूरी कर पीड़ितों के पैसे उनके खातों में वापस करवाए जाते हैं। साइबर सेल अभी भी कई पेंडिंग मामलों पर काम कर रही है। जिन लोगों को अपने पैसे वापस मिल गए हैं, वे साइबर सेल की टीम का धन्यवाद कर रहे हैं।

अहिल्याबाई होलकर त्रिशताब्दी महोत्सव

मथुरा के फरह में भाजपा कार्यकताओं ने किया आयोजन, जाना महारानी का जीवन चरित्र

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, कस्बा फरह स्थित ब्लॉक कार्यालय पर गुरुवार को अहिल्याबाई होलकर त्रिशताब्दी स्मृति महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम में अहिल्याबाई होलकर के जीवन पर विस्तार से चर्चा की गई। अहिल्याबाई भारतीय इतिहास की कुशल महिला शासकों में से एक थीं। उनका विवाह 8 साल की उम्र में हुआ और 21 साल की उम्र में वे विधवा हो गईं। 1767 में उन्होंने राजगद्दी संभाली और 30 वर्षों तक इंदौर पर शासन किया। मालवा साम्राज्य की शासक के रूप में उन्होंने 18वीं शताब्दी में धर्म का संदेश फैलाया। उन्होंने उद्योगों को बढ़ावा दिया। पूरे भारत में सैकड़ों मंदिरों और धर्मशालाओं का निर्माण करवाया। काशी विश्वनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण भी उन्हीं के काल में हुआ। अहिल्याबाई का जन्म 31 मई 1725 को हुआ और 13 अगस्त 1795 को उनका देहांत हुआ। वे मराठा साम्राज्य की प्रसिद्ध महारानी मल्हारराव होलकर के पुत्र खंडेराव की धर्मपत्नी थीं। उन्होंने भूखों के लिए अन्न और प्यासों के लिए प्याऊ की व्यवस्था की। ब्लॉक प्रमुख अनिल सिंह ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक अरविंद कुमार शर्मा द्वारा एफ एल टी , एलजी 75 आर एम 4/4 इंदिरा नगर, सुंदर बाग, कुर्ला (प) मुंबई 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं AIS PRINTING SOLUTION प्लांट नं० –A–544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एम आई डीसी माहपे नवी मुंबई , ठाणे 400709 से मुद्रित । संपादक – अरविंद कुमार शर्मा

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 8097049935,9935750291 RNI No-MAHHIN2017/74173

संपर्क का कार्यालय– 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001

संरक्षक– डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष (हिन्दी) इलाहाबाद विश्व विद्यालय, विशेष संवाददाता– आशीष कुमार शर्मा सह, सम्पादक– माता प्रसाद शर्मा, फिल्म– संपादक–जगन्नाथ तिवारी